संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-223 शुक्रवार,14 जून 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

जम्मू-कश्मीर में 4 दिन में हुए 4 बड़े हमले

» मोदी ने की मीटिंग, गृहमंत्री-एनएसए से बातचीत की...

» सुरक्षाबलों की तैनाती पर की गयी चर्चा...

» रियासी मामले में 53 हिरासत में...

-फाईल:फोटो-

श्रीनगर,13 जून 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (13 जून) को जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटनाओं को लेकर मीटिंग की। इसमें एनएसए अजीत डोभाल समेत सुरक्षा एजेंसियों के कई अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में पीएम मोदी को आतंकियों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी दी गई।

पीएम ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बातचीत की। उन्होंने वहां के हालात के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने सुरक्षाबलों की तैनाती को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से भी बातचीत की।

जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा में पिछले चार दिनों में चार आतंकी घटनाएं हुई हैं। इसमें 9 श्रद्धालुओं की जान चली गई। 1 जवान शहीद हुआ और 2 आतंकी मारे गए। चारों घटनाओं में 6 जवानों समेत कुल 49 लोग घायल हुए हैं। कुपवाड़ा में शब्बीर अहमद नाम के एक ओवर ग्राउंड वर्कर को पकड़ा गया है, जो आतंकियों की मदद कर रहा था। उसके पास से हथियार भी बरामद हुए हैं।

रियासी में हुए आतंकी हमले के मामले में 53 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इसकी जानकारी मोहिता शर्मा ने दी है।

तारीख: 12 जून, रात 8:20 बजे
स्थान: डोडा, जम्मू

क्या हुआ: डोडा के गंडोह में कोटा टॉप में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें स्पेशल ऑपरेशन ग्रूप का एक कॉन्स्टेबल फरीद अहमद जख्मी हो गए। फिलहाल उन्हें इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज डोडा में भर्ती कराया गया है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

तारीख:11 जून, रात 1-2 बजे
स्थान: डोडा, जम्मू

क्या हुआ: आतंकियों ने डोडा के भद्रवाह-पठानकोट मार्ग पर 4 राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की जॉइंट चेकपोस्ट पर फायरिंग की। 5 जवान और एक स्पेशल पुलिस ऑफिसर घायल हो गए। हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन कश्मीर टाइगर्स (जेईएम/जैश) ने ली है।

तारीख: 11 जून, देर शाम 8 बजे
स्थान: कठुआ, जम्मू

क्या हुआ: पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हीरानगर के सैदा सुखल गांव में दो आतंकियों ने घरों का दरवाजा खटखटाकर पानी मांगा। ग्रामीणों को शक हुआ तो दरवाजे बंद कर शोर मचाया। आतंकियों ने फायरिंग की। एक ग्रामीण घायल हुआ। डीआईजी और एसएसपी पहुंचे तो एक आतंकी ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की। ग्रेनेड फेंकने के दौरान वह मारा गया।

12 जून को लगातार दूसरे दिन जारी मुठभेड़ में एक और आतंकी मारा गया। पुलिस ने आतंकी के पास से अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन बरामद की है। ऑपरेशन अभी भी जारी है, क्योंकि सुरक्षाबलों को एक और आतंकी के छिपे होने की आशंका है।

तारीख: 9 जून, शाम 6:15 बजे
स्थान: रियासी, जम्मू

क्या हुआ: मोदी सरकार के शपथ के दिन कंदा इलाके में शिव खोड़ी से कटरा जा रही बस पर आतंकियों ने 25-30 राउंड फायरिंग की। इसमें ड्राइवर को गोली लगी। बस खाई में गिरी। 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 41 घायल हो गए। पुलिस ने संदिग्ध आतंकी का स्केच जारी किया। 20 लाख रुपए का इनाम रखा। 200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। सर्च ऑपरेशन जारी।कठुआ ऑपरेशन के बाद आतंकियों का बरामद सामान कठुआ ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने आतंकियों का सामान बरामद किया है। इसमें 3 मैगजीन (30 राउंड), 1 मैगजीन (24 राउंड), पॉलीथीन में 75 राउंड, 3 जिंदा ग्रेनेड, 1 लाख इंडियन करेंसी (500 और 200 के नोट नोट), खाने-पीने का सामान जिसमें पाकिस्तान में बनी चॉकलेट, सूखे चने पैकेट, पाकिस्तान में बनी दवाइयां और इंजेक्शन (पेन किलर), 1 सिरिंज ए4 बैटरी के 2 पैक, 1 हैंडसेट, 1 एम4 कार्बाइन और 1एक 47 शामिल है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोलेः हम प्रशासन और पीड़ित के लगातार संपर्क में

उधमपुर से सांसद जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- मैं अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक कठुआ के सैदा गांव में एक घर पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर डिप्टी कमिश्नर राकेश मिन्हास और एसएसपी कठुआ अनायत अली चौधरी के संपर्क में हूं। जिस घर पर हमला हुआ था, उसका मालिक (नाम का खुलासा नहीं किया जाएगा) भी मोबाइल फोन पर संपर्क में है। संयुक्त पुलिस और अर्धसैनिक अभियान चल रहा है।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा- हमारे पड़ोसी के साथ अभी भी समस्याएं हैं

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा, हमारे पड़ोसी के साथ अभी भी समस्याएं हैं। सैन्य कार्रवाई से ये समस्याएं हल नहीं होंगी। जब तक हम अपने पड़ोसियों से बात नहीं करेंगे, हम इसे हल नहीं कर सकते।उन्होंने आगे कहा कि बॉर्डर के जरिए आतंकी आ रहे हैं और वे आते रहेंगे। कल जो भी सरकार होगी, उसे यही सब झेलना पड़ेगा। हमें इन परिस्थितियों से बाहर निकलने की जरूरत है। हमारे पास एक बड़ी यात्रा (अमरनाथ यात्रा) आने वाली है। उसमें कोई भी छोटी घटना होने पर देश के बाकी हिस्सों में इसका बखान किया जाएगा। हम कश्मीरी इन चीजों के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। हमने कभी इन चीजों का समर्थन नहीं किया है।अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव होंगे, जब ये घटनाएं हुईं, तब संसद के लिए भी चुनाव हुए थे। इससे चुनाव नहीं रोके जा सकते हैं।

वैष्णो देवी रूट की सुरक्षा बाई गई,श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की सलाह

✷ रियासी से कटरा के 30 किलोमीटर मार्ग पर सुरक्षाबलों की संख्या बढ़ाई गई।
✷इस रूट पर चलने वाली हर बस में दो सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।
✷रियासी से कटरा के बीच 5 और जगहों पर बैरक बनाए जा रहे हैं।
✷वैष्णो देवी श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान सावधानी रखने की सलाह दी गई।
✷इसमें रात में यात्रा करने से बचने, जंगलों के पास न रुकना और केवल आवासीय क्षेत्रों में ठहरना शामिल है।
✷वाहनों और यात्रियों को ट्रैक करने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग करने पर विचार।

रिटायर्ड डीजीपी को रेप पीड़िता की पहचान उजागर करना पड़ गया भारी

» हाईकोर्ट ने एफ आईआर दर्ज करने का दिया आदेश...

कोच्चि,13 जून 2024(ए)। केरल हाईकोर्ट ने अपनी पुस्तक 'निर्भयम' में रेप पीड़िता की पहचान उजागर करने पर सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिबी मैथ्यूज के खिलाफ एफ आईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा, पुस्तक में भले ही पीड़िता का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया, लेकिन पीड़िता के माता-पिता, पीड़िता और उसके माता-पिता के रहने की जगह व पीड़िता ने जिस स्कूल में पढ़ाई की, उसका विवरण विस्तार से बताया गया है। यह खुलासा प्रथम दृष्टया आईपीसी की धारा 228 ए के तहत दंडनीय अपराध को दर्शाता है। कोर्ट ने इस मामले में के.के. जोशुआ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पूर्व डीजीपी के खिलाफ एफ आईआर का आदेश दिया है।

जोशुआ ने केस दर्ज न किए जाने पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को केस दर्ज करने का आदेश दिया। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा, पीड़िता को 'पीडिप्पिक्कापेट्टा पेनकुट्टी' (छेड़छाड़ की गई लड़की) के रूप में संदर्भित करने के साथ-साथ उसकी व्यक्तिगत जानकारी विस्तृत रूप से पुस्तक में बताई गई है। यह रेप पीड़िता की पहचान उजागर करती है। कोर्ट ने पुलिस को ललिता कुमारी फैसले के अनुपालन में एफआईआर दर्ज करने और जांच का आदेश दिया। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले मैथ्यूज को बाद में मुख्य सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया।

राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्री का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली,13 जून 2024 (ए)। देश की 18वीं संसद के गठन के बाद राजनाथ सिंह ने एक बार फिर रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभाल ली है। गुरुवार के दिन दिल्ली में उन्होंने अपना कार्यभार संभाला। उन्हें लगातार दूसरी बार यह जिम्मेदारी दी गई है। 2014 में गृहमंत्री की जिम्मेदारी उठाने वाले राजनाथ सिंह 2019 से रक्षा मंत्रालय संभाल रहे हैं। लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्रालय मिलने पर उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में उनका लक्ष्य देश को सुरक्षित रखने के अलावा आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाना होगा। इस तरह से वह देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान देने का लक्ष्य बना चुके हैं।

दूसरी बार रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद राजनाथ सिंह ने कहा पीएम मोदी ने एक बार फिर मुझे रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। हमारी प्राथमिकताएं पहले की तरह ही रहेंगी।

फिर से होगी नीट यूजी 2024 परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला,

नई दिल्ली,13 जून 2024 (ए)। नीट यूजी 2024 प्रवेश परीक्षा को रद्द करने और फिर से आयोजन की मांग कर रहे उम्मीदवारों को एक बार फिर से निराशा हाथ लगी है। सम्बन्धित याचिका पर आज, 13 जून को हुई सुनवाई के दौरान खण्डपीठ ने काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से एक बार फिर इनकार कर दिया। साथ ही, शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को अपना जवाब 2 सप्ताह के भीतर दाखिल करने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त खण्डपीठ ने सभी सम्बन्धित मामलों की अब एक साथ 8 जुलाई को सुनवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं।नीट मामले में एनटीए का बड़ा फैसला सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने आज याचिकाकर्ता को कहा कि आपकी बात एनटीए ने मान ली है। वो ग्रेस मार्क को हटा रहे है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा की केवल वो छात्र ही शामिल होंगे जिनको ग्रेस मार्किंग मिली थी।

एनटीए ने कहा 23 जून को दोबारा परीक्षा (1563) होगी उसके बाद काउंसलिंग होगी। एनटीए ने कहा की तीसरी याचिका में पेपर लीक का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष नही है। एनटीए ने कहा कि परीणाम 30 जून से पहले आ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि वह नीट यूजी 2024 की काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि काउंसलिंग जारी रहेगी और हम इसे रोकेंगे नहीं। अगर परीक्षा होती है तो सब कुछ पूरी तरह से होता है, इसलिए डरने की कोई बात नहीं है। बता दें कि देश के विभिन्न कोनों से छात्र राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए और एनटीए के खिलाफ़ सत्याग्रह शुरू किया। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के अभिभावक अपने बच्चों के लिए न्याय की मांग करते हुए भीषण गर्मी में बैठे हैं।

विस्फोटक बनाने वाली फैक्ट्री में हुई भीषण ब्लास्ट

» घटना में हुई 5 लोगों की मौत, 5 हुए जख्मी

नागपुर,13 जून 2024 (ए)। महाराष्ट्र के नागपुर शहर के पास एक विस्फोटक बनाने वाली फैक्ट्री में गुरुवार को धमाका हो गया। फैक्ट्री में विस्फोट के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि यह घटना नागपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर हिंगना पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत धमना गांव में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड में हुई। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट दोपहर करीब 1:00 बजे उस समय हुआ, जब श्रमिक विस्फोटक सामग्री पैक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अभी इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है।नागपुर पुलिस कमिश्नर रविंदर सिंघल ने कहा, इस घटना में करीब 4-5 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 4 महिलाएं भी शामिल हैं। हमारी जांच जारी है। हमारी टीम, क्राइम ब्रांच और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं, कार्रवाई की जा रही है।

26 जून को होगा स्पीकर का चुनाव

लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर जेडीयू-टीडीपी की नजर

नई दिल्ली,13 जून 2024 (ए)। नई सरकार बनने के बाद अब देश की नजर लोकसभा स्पीकर के चुनाव पर हैं। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होकर 3 जुलाई तक चलेगा। 27 जून को राज्यसभा का सत्र बुलाया जाएगा। इस बीच 24 जून को लोकसभा के सांसद शपथ लेंगे। इसके बाद लोकसभा स्पीकर का चुनाव होगा। 25 जून तक स्पीकर के नाम का प्रस्ताव किया जा सकेगा। 26 जून को स्पीकर का चुनाव होगा। इस रेस में सबसे डी पुंदेश्वरी का नाम सबसे आगे चल रहा है। लेकिन नरेंद्र मोदी के वर्किंग स्टाइल को देखते हुए माना ये भी जा रहा है कि ओम बिरला को फिर से लोकसभा का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

मुश्किल में फंसे येदियुरप्पा

» कोर्ट ने पॉक्सो मामले में जारी किया गैर जमानती वारंट

बेंगलुरु,13 जून 2024 (ए)। कर्नाटक पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा मुश्किल में फंस गए हैं। बेंगलुरु की एक कोर्ट ने येदियुरप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी का गैर जमानती वारंट जारी किया है। येदियुरप्पा के खिलाफ ये वारंट यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण यानी पॉक्सो केस के तहत जारी किया गया है। इस कारण अब बीएस येदियुरप्पा के गिरफ्तार होने का खतरा है।

अजित डोवल तीसरी बार बने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

» पीके मिश्रा भी बने रहेंगे प्रधान सचिव

नई दिल्ली,13 जून 2024 (ए)। नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में अजित डोवल को फिर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया है। बता दें कि अजित डोवल तीसरी बार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाए गए हैं। बता दें कि रिटायर्ड आईएएस अधिकारी पीके मिश्रा को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यालय में की गई है। साथ ही उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें वरीयता तालिका में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जाएगा।

बिहार को जंगलराज से गुंडाराज में तब्दील करने वाले को सत्ता में कोई जगह नहीं

» विजय सिन्हा का तेजस्वी पर तंज...

पटना,13 जून 2024 (ए)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के ट्वीट पर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं जो जंगल राज को गुंडाराज में बदल दिए थे। हमने जंगल राज को उखाड़ कर फेंक दिया था।विजय सिन्हा ने कहा कि भाजपा ने जंगली प्रवृत्ति की मानसिकता रखने वाले लोगों को सुधार दिया था। मगर बीच-बीच चोर दरवाजे से जंगल राज वाले लोग घुस कर अपने जंगली मानसिकता के लोगों को पोषित किया। जब बीमारी शरीर में फैलती है तो उसके इलाज में समय जरूर लगता है, लेकिन इस समस्या का समाधान एनडीए जरूर करेगी।

उत्तरी सिक्किम में बाढ़-भूस्खलन से फिर तबाही,1 व्यक्ति की मौत,5 लापता

गंगटोक,13 जून 2024 (ए)। सिक्किम के मंगन जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण हुए भारी भूस्खलन में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य लापता हो गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के चलते सड़कें अवरूद्ध हो गई हैं और घर जलमग्न तथा क्षतिग्रस्त हो गए।

एक व्यक्ति का शव मिला

भारी बारिश और भूस्खलन से बिजली के खंभे बह गए। मंगन जिले के पक्षेप क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव मिला, जबकि रंगरंग के निकट अम्बिथांग से तीन और पक्षेप से दो अन्य व्यक्ति लापता हो गए हैं। अधिकारी ने बताया कि भूस्खलन के चलते गेयथांग में तीन घर क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि पेंटोक के पास नामपाथांग में भी कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और सड़कें अवरुद्ध हो गईं। भूस्खलन के कारण ब्रिंगबोंग पुलिस चौकी को निकटवर्ती स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि संकलान में एक पुल की नींव क्षतिग्रस्त हो गई।

संपादकीय

गहराता जा रहा है संदेह

ऐसा पहली बार हुआ कि नीट-यूजी परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है। इसलिए संदेह गहरा गया है।यह संदेह गहराता जा रहा है कि प्रतियोगी परीक्षाएं धांधली का जरिया बन गई हैं और यह सब कुछ प्रशासन के संरक्षण में हो रहा है। अनेक राज्यों में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं से यह शक बनना शुरू हुआ। अब देश के टॉप मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) को लेकर खड़े हुए विवाद से यह और गहरा गया है। परीक्षा आयोजित कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सवालों के घेरे में है। शक को इससे भी बल मिला कि जिस रोज लोकसभा चुनाव की मतगणना में सारे देश का ध्यान था, एनटीए ने उसी रोज इम्तहान के नतीजों को जारी करने का फैसला किया। ऐसा पहली बार हुआ कि इस परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है।एनटीए ने सफाई दी है कि आसान परीक्षा, रजिस्ट्रेशन में बढ़ोतरी, दो सही उत्तरों वाला एक प्रश्न और परीक्षा के समय में नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिया जाना ऐसे कारण हैं, जिनसे छात्रों को उच्च अंक लाने में सहायता मिली। मगर परीक्षा में शामिल हुए छात्रों के एक बड़े हिस्से को यह स्पष्टीकरण मंजूर नहीं है। वे परीक्षा रद्द कर इसे दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं। एनटीए का कहना है कि 1,500 से ज्यादा उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क की समीक्षा करने के लिए चार सदस्यों की कमेटी गठित की गई है, जो एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। मगर संदेह इतना गहरा है कि ऐसे स्पष्टीकरण से छात्रों एवं समाज के एक बड़े हिस्से को संतुष्ट करने में सफलता नहीं मिली है। आरोप है कि पेपर लीक किया गया। यह मुद्दा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से संबंधित जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने उठाया। उसने मामले की सीबीआई जांच और दोबारा परीक्षा कराने को कहा है। जो हालात हैं, उनके बीच इन मांगों को ठुकराना मुश्किल मालूम पड़ता है। अगर ऐसा कर भी दिया गया, तो यह परीक्षा की शुचिता पर संदेह जारी रखने की कीमत पर ही होगा।

क्या आरएसएस और भाजपा के बीच व्याप्त मतभेदों का सिलसिला कभी थमेगा या फिर यूं ही चलता रहेगा

यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं जहां से कलह की शुरूआत होती है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मतभेद अब खुलकर सामने आ चुके हैं। यह स्थिति दोनों के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से हानिकारक साबित होगी, जिसकी शुरुआत लोकसभा चुनाव 2024 से हो चुकी है। इस बदलती परिस्थिति के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है और कितना जिम्मेदार है, यह पड़ताल करने का काम दोनों संगठनों के प्रमुखों का है, लेकिन अब तो इन दोनों के बीच ही तलवारें खींच चुकी हैं।मसलन, पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चुनावी भूमिका को लेकर जो कुछ टिप्पणी की, और अब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में भाजपा की अदूरदर्शी भूमिका को लेकर जो कुछ इशारे किये हैं, उससे जाहिर होता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसका राजनीतिक मुखौटा समझी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद जैसी विचारधारा के लिए संकटापन्न स्थिति है, जिसका सम्यक हल निकट भविष्य में निकलेगा, ऐसा मुझे नहीं लगता। क्योंकि देश के दोनों प्रमुख संगठन सत्ता सुख की मृगमरीचिका में भटकते हुए इतना आगे निकल चुके हैं कि वापस लौटना अब उनके बस की बात नहीं!

यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। पुरानी बातें यदि भुला भी दी जाए तो संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों से दोनों के बीच बढ़ती दूरी भी साफ दिखी है। क्योंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संकेत में ही भाजपा को नसीहत भी दी है और सरकार के कामकाज के तरीकों से लेकर और संगठन में मची आपाधापी तक पर परोक्ष रूप से नाराजगी भी दिखाई है। हालांकि समझदार व्यक्ति होने के चलते उन्होंने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, इसलिए दोनों ही पक्ष इस मुद्दे पर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। लेकिन जिन्हें इनका तल्ख अतीत और स्वार्थी रवैया मालूम है, वो ह से हलन्त तक समझ जाते हैं।

यह कौन नहीं जानता कि लोकसभा चुनाव 2024 में नतीजे यदि भाजपा की उम्मीद के विपरीत आए हैं, तो इसके पीछे कहीं न कहीं संघ के स्वयंसेवकों का उदासीन रवैया भी जिम्मेदार है। यही वजह है कि अब भाजपा और संघ के बीच स्पष्ट रूप से मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो आमतौर पर चुनावी प्रक्रिया के दौरान भाजपा और संघ के बीच जिस तरह का समन्वय और सामंजस्य होता था, वह इस बार दिखाई नहीं दिया। आखिर ऐसा क्यों? वहीं, भाजपा और संघ के बीच अक्सर होने वाली उच्च स्तरीय समन्वय बैठकें भी काफी समय से नहीं हुई हैं। स्वाभाविक सवाल है कि आखिर ये बैठकें तय वक्त पर क्यों नहीं हुई। क्या इसके पीछे एक दूसरे को सबक सिखाने की मंशा रही है, जो 2004 के बाद 2024 में भी साफ दिखी। अंतर सिर्फ इतना कि तब कुलीन मिजाज वाले प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी एक ही झटके में धराशायी हो गए। जबकि आज कुटिल मिजाज वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धराशायी होते-होते बच गए। स्वाभाविक है कि इसकी अनुगूंज अगले 5 सालों तक सुनाई पड़ती रहेगी।

कहना न होगा कि इन सब बातों के बीच संघ को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का बयान भी काफी चर्चित रहा है, जिससे भी संघ के भीतर नाराजगी साफ दिखाई दी है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाल में एक बयान को लेकर दोनों के बीच के रिश्तों को लेकर कई तरह के अर्थ लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुनाव के दौरान संघ को लेकर की गई टिप्पणी से भी दोनों पक्षों के रिश्तों में कड़वाहट आई है, जिसका असर मतदान के आखिरी तीन चरणों में दिखाई दिया।

वहीं, अंदरूनी स्तर पर इस बात की काफी चर्चा है कि आखिर के तीन चरणों में संघ ने उतना मन लगाकर काम नहीं किया, जितना कि वह पहले कर रहा था। स्वाभाविक है कि इसका असर मतदान पर भी पड़ा है। हालांकि संघ ने इस तरह की अटकलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, और भाजपा भी इससे पूरी तरह से सहमत नहीं है। फिर भी आलम यह है कि मोहन भागवत के बयान के बाद भले ही दोनों पक्ष ज्यादा कुछ नहीं बोल रहे हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर चर्चा में यह दिखता है कि दोनों के बीच अब सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। खास बात यह कि इस बारे में संघ के भीतर भी अलग-अलग राय दिखती है। सीधा सवाल है कि क्या यह स्थिति खुद संघ के लिए सही है। जवाब होगा, कतई नहीं!

जानकारों के मुताबिक, संघ ने जिन मुद्दों पर नाराजगी जताई है, उनमें भाजपा व संघ के बीच समन्वय की कमी है। सवाल है कि दोनों के बीच समन्वय बैठकें बेहद कम होने के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका निर्धारण कौन करेगा। वहीं, विभिन्न उम्मीदवारों को लेकर संघ की सलाह को नजरअंदाज करने के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या उसे यह स्पष्ट नहीं करना चाहिए कि अपने मातृ संगठन के सलाह व सूझाव को विनम्रता पूर्वक टालने का भी एक अपना तरीका होता है, ताकि वह किसी को नागवार नहीं गुजरे। लेकिन यहां तो प्रथमदृष्ट्या यही प्रतीत हो रहा है कि भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने न केवल संघ की भावनाओं की अनदेखी की, बल्कि अपने तल्ख बयानों से उल्टे संघ को ही आईना दिखाने की कोशिश की, जो संघ प्रमुख मोहन भागवत को नागवार गुजरी। इसलिए उन्होंने भी नहले पर दहला की तर्ज पर सरकार बनते ही उसे आईना दिखा दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, संघ ने कृपा शंकर सिंह समेत लगभग दो दर्जन नामों पर आपत्ति जताई थी। इसके पहले वह आर के सिंह पर आपत्ति जता चुका था, हालांकि वह तब चुनाव जीत गए थे। इसके अलावा, दूसरे दलों से और इधर-उधर से बेलगाम तरीके से लोगों को भाजपा में शामिल करना, जिससे भाजपा कॉडर और पुराने कार्यकर्ताओं में उपेक्षा का भाव पैदा हुआ, क्योंकि उनको तरजीह न मिली। इसके अलावा, चुनाव अभियान में कमी के भी कई मुद्दे शामिल रहे। समझा जाता है कि इन्हीं वजहों से 2014 और 2019 के उलट 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें कम मिलीं, जिससे वह एनडीए के सहयोगी दलों की बैशाखी पर टिकने को अभिशप्त हो गई।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून 2024 दिन सोमवार को मणिपुर की हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा था कि वहां पर एक साल से अशांति है। राज्य में पिछले 10 साल की शांति भंग हुई है। इसलिए भागवत ने नेताओं को अहंकार न पालने और काम करने की नसीहत भी दी थी। वहीं, उन्होंने परोक्ष रूप से विपक्ष के रवैये पर भी सवाल खड़े किए थे, लेकिन कुछ बयानों को भाजपा से जोड़कर देखा गया। हालांकि, संघ का कहना है कि सामाजिक जीवन में काम कर रहे संघ की यह सामान्य प्रक्रिया है और इसे किसी राजनीतिक दल से जोड़ना उचित नहीं है। इसलिए सवाल तो यह भी पैदा हो रहा है कि भारतीय राजनीति में एक बार फिर से क्षेत्रीय दलों के मजबूत होने से संघ के समीकरण गड़बड़ा चुके हैं, जिसको वह अपनी तल्ख बयानबाजी से दुरुस्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

-कमलेश पांडेय-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मोदी या गठबंधन एजेंडे से चलेगी सरकार

सरकार गठन के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मविश्वास लौट आया है। नतीजों से जो सेटबैक लगा था वे उससे उबर गए दिखते हैं। उन्होंने अपने हिसाब से सहयोगी पार्टियों को हैंडल किया है। अपने हिसाब से उनको मंत्री पद दिए हैं और कामचलाऊ विभाग देकर उनको निपटाया है। इसके बावजूद ऐसा लग रहा है कि तीसरी सरकार भाजपा के या स्वंय मोदी के एजेंडे से नहीं चलेगी, बल्कि गठबंधन के एजेंडे से चलेगी। भले गठबंधन की सरकार में 82 फीसदी सांसद भाजपा के हैं और वह उस तरह से सहयोगी पार्टियों पर निर्भर नहीं है, जैसी मनमोहन सिंह की सरकार थी या उससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी।इसके बावजूद मोदी को कामकाज में बहुत संतुलन बनाने की जरुरत होगी क्योंकि दूसरी ओर विपक्ष भी पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूत और एकजुट है। तभी ऐसा लग रहा है सरकार तमाम विवादित एजेंडे को स्थगित कर सकती है। हालांकि मुश्किल यह है कि भाजपा को भी राज्यों में चुनाव लडऩा है और पांच साल बाद अपना एजेंडा लेकर जनता के बीच जाना होगा। तभी यह देखना दिलचस्प होगा कि विवादित मुद्दों या जिन मुद्दों पर आम सहमति नहीं है उनको लेकर सरकार का क्या रुख होता है। सरकार उसे ठंडे बस्ते में डालती है या सहयोगियों पर दबाव बना कर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाती है?सरकार के लिए सबसे पेचीदा मामला परिसीमन और महिला आरक्षण का हो गया है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के आखिरी साल में नारी शक्ति वंदन कानून पास कराया। संसद की नई इमारत में यह पहला कानून था, जिसका बिल पेश किया गया था। मोदी सरकार ने इस बिल को उस रूप में पेश नहीं किया, जिस रूप में इसे पहले एक सदन की मंजूरी मिल चुकी थी। सरकार नया मसौदा ले आई, जिसमें यह शर्त जुड़ी हुई है कि परिसीमन के बाद 2029 में महिला आरक्षण को लागू किया जाएगा। महिला आरक्षण से किसी को समस्या नहीं है। सरकार और उसकी सहयोगी पार्टियों के अलावा विपक्षी पार्टियां भी महिला आरक्षण के समर्थन में हैं। लेकिन परिसीमन का विरोध तय है। विपक्ष के साथ साथ सरकार की कई सहयोगी पार्टियां भी परिसीमन का विरोध कर सकती हैं।अभी तक यह कहा जा रहा है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होगा, जिसमें दक्षिण भारत से लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है और उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ सकती हैं। तभी दक्षिण भारत की पार्टियां जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का विरोध करती हैं। ध्यान रहे आंध्र प्रदेश की टीडीपी और कर्नाटक की जेडीएस दोनों सरकार का समर्थन कर रहे हैं लेकिन परिसीमन पर इनका समर्थन हासिल करना आसान नहीं होगा। सो, यह सरकार को उलझाने वाली स्थिति है और उसने तय किया हुआ है कि 2029 के चुनाव तक परिसीमन हो जाएगा और महिला आरक्षण लागू किया जाएगा।इसी तरह भाजपा ने पूरे देश में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी लागू करने का वादा किया है। उत्तराखंड सरकार ने जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में बनी कमेटी की सिफारिशों के आधार पर इसे अपने राज्य में लागू कर दिया है। भाजपा ने इसे अपने चुनाव घोषणापत्र में भी शामिल किया है और इस बार के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री तक सभी इसका वादा करते रहे हैं।

-अजीत द्विवेदी-

मध्यप्रदेश में खास रही स्त्री शक्ति की भूमिका

मध्यप्रदेश में सभी लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर भाजपा ने कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बड़ा सहारा दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश की महिला मतदाताओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव अभियान से ही प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश में सबसे खास चेहरा बने हुए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा था और भारी जनसमर्थन प्राप्त किया। मोदी के मन में मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के मन में मोदी यह मुख्य नारा था, जिसमें संगठन के परिश्रम ने प्राण फूंक दिए।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी एक असाधारण घटना है। भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में अपनी लोकप्रियता और प्रासंगिकता बनाए रखना इतना आसान नहीं होता। भाजपा जैसे दल के लिए जिसने 8 वें दशक में सिर्फ दो लोकसभा सीटों के साथ अपनी यात्रा प्रारंभ की हो, यह चमत्कार ही है। अनपेक्षित परिणामों के बाद भी केंद्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन है। मध्यप्रदेश वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के अद्भुत समन्वय से चलने वाला राज्य रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे दिग्गजों की जुगलबंदी ने जो इतिहास रचा है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इसके अलावा नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राजेन्द्र शुक्ल, फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र कुमार जैसे अनेक नेता भाजपा के सामाजिक और भौगोलिक विस्तार को स्थापित करते हैं।संघ की प्रयोगभूमि होने के कारण मध्यप्रदेश पर पूरे देश की निगाह थी। मध्यप्रदेश में यह वैचारिक यात्रा हिंदुत्व,भारतबोध की यात्रा तो है ही समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी ने इसे सफल बनाया है। स्त्री शक्ति इसमें सबसे प्रमुख है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जहां स्त्री शक्ति को भाजपा के साथ गोलबंद करने में अहम भूमिका निभाई, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आते ही सामान्य जन के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास किए। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को संबल दिया, जिस बदलाव को स्त्री शक्ति ने महसूस किया। स्त्री भारतीय परिवारों की धुरी है। भारतीय राजनीति में स्त्री को इस तरह से केंद्र में रखकर कभी विचार नहीं किया गया। यह बात रेखांकित करना चाहिए कि आखिर देश की राजनीति में स्त्री के सवाल हाशिए पर क्यों रहे हैं? स्त्री आखिर चाहती क्या है? वह चाहती है सुखद, सुरक्षित, आनंदमय जीवन और अपने बच्चों का सुनहरा भविष्य। एक अदद छत जिसमें वह अपने परिवार के साथ चैन से रह सके। नरेंद्र मोदी ने सामान्य भारतीय स्त्री के इस मन और जीवन की समस्याओं को संबोधित किया। स्त्री को सुरक्षित परिवेश और बेटियों को आसमान छूने की प्रेरणा दी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ सिर्फ नारा नहीं एक सामाजिक संकल्प बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत सामान्य परिस्थितियों से आगे बढ़े हैं। वे परिवारों को चलाने वाली स्त्री के दर्द, उसकी जरूरतों को समझने वाले राजनेता हैं। उज्जवला गैस जैसे योजना उनके संवेदनशील मन की गवाही देती है। लकडिय़ां लेटर आने,गोबर के उपलों से खाना बनाती स्त्री, उसके कष्ट सब नहीं समझ सकते। धुएं के नाते उसको होने वाले स्वास्थ्यगत नुकसान को भी सब नहीं समझ सकते। बात छोटी है,पर संवेदना बहुत बड़ी। इसी तरह शौचालय न होने के कारण स्त्री के कष्ट से हर घर शौचालय का विचार एक क्रांतिकारी कदम था। यह मुद्दा महिला सुरक्षा ,स्वास्थ्य और स्वच्छता सबसे जुड़ा हुआ मुद्दा है। मध्यप्रदेश ने केंद्र की सभी योजनाओं का श्रेष्ठ क्रियान्वयन किया। इस पहल ने देश और प्रदेश में परिवर्तन का सूत्रपात किया। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी दिशा में उठाया गया एक ऐसा कदम था, जिसने परिवार को छत दी। आप लाख कहें महिला के लिए उसके घर से बड़ी कोई चीज नहीं होती। यह बहुत भावनात्मक विषय है, जो सामान्य मन से समझ में नहीं आएगा। कोरोना संकट में देश और उसके नागरिकों की अभिभावक की तरह चिंता करके प्रधानमंत्री ने लोगों के मन में जगह बना ली। वैक्सीन से लेकर 80 करोड़ परिवारों को राशन ने स्त्रियों के मन में सरकार के प्रति भरोसा जगाया। स्त्री कल्याण की योजनाएं मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को मामा के रूप में स्थापित कर गयीं। शिवराज जी मध्यप्रदेश में इसी लोकप्रियता के कारण अपनी सीट आठ लाख से ज्यादा मतों से जीते और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी सफलता मिली।

-प्रो.संजय द्विवेदी-

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट से भविष्य में नौकरियों को खतरा?

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.

खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34 प्रतिशत बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंद्य यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैद्य यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंद्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैद्य राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

संस्कार

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
(छत्तीसगढ़)

मां बाप ने दिया मुझे
ऐसा उम्दा संस्कार
पराए लगते अपने
जैसा अपना हो परिवार।।
देख रोते किसी को
मिले बहते सदा मेरे नैन
सच कहता हूं मैं
मुझे ना मिलता कभी चैन।।
किसी से कर जोड़े
मिला किया वह अपमान
अनमने ही सही पर
मैंने किया उनका सम्मान।।
जो लगता इंसान अच्छा
लेता मैं उनका नाम
जिसको पसंद नहीं
वह करता मुझको बदनाम।।
काले भले हो वह इंसान
मैं करता उससे नेह
व्यवहार को परखा
मैं नही देखा कभी देह।।
भला बुरा जैसे भी कहा
पर मैं करता याद
क्षमा करें ईश्वर उनको
मैं करता यह फरियाद।।
मानव हित में होता
हर मानवता धर्म हुजूर
अगर हो मानव तुम
तो ध्यान रखना जरूर।।
कहीं धोखा कहीं मुझे मिला प्यार अपार
संतोषी बन कर दिया
उम्र चवालीस पार।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

रक्तवीरों

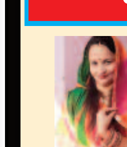

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा,
राजस्थान

हे रक्तवीरों तुम्हें प्रणाम।
प्राण दाताओं तुम्हें प्रणाम।
जीने की अभिलाषा लिए,
निराश मन की आशा हो तुम ।
मृत्यु से जूझते व्यक्ति की...
अमृत की बूँदे हो तुम।
सूर्य की प्रथम किरण सी,
रोशनी जगाते हो तुम।
जेठ की तपती धरा के लिए
आषाण की बूंदों सा हो तुम।
अँधेरे में खोये जीवन के
दीपक की लौ से हो तुम।
मृत्यु भी शरणागत हो जिनकी,
संसार के वो वीर हो तुम।
जीने को इच्छित प्राणी के लिए
प्राण हो तुम.....
हे रक्तवीरों मानवता की,
अमर शान हो तुम
अमर शान हो तुम।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

क्या पहाड़ी कोरवा आश्रम भेलवाडीह में अपनी हुकूमत चला रही है हॉस्टल अधीक्षिका ?

क्या भेलवाडीह पहाड़ी कोरबा आश्रम में सपरिवार बना रखा है अपना आशियाना ?

- सुदामा राजवाड़े-
बलरामपुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

सर्व विदित होगी की राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पहाड़ी कोरवा के बच्चों के साक्षर बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा देशभर में स्कूल व हॉस्टल बनाकर उनका मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयासरत है और इसके लिए सालाना बजट भी निर्धारित किया गया है। जिन पर कई क्षेत्र में कर्मचारियों की नियुक्तियां कर संतोष जनक उपलब्धियां भी देखे जा सकते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत भेलवाडीह पहाड़ी कोरवा आश्रम के अधीक्षिका सुप्ला टोप्पो के द्वारा सूत्रों की माने तो लगता है अपना आधिपत्य जमाकर सपरिवार भरण पोषण का अड्डा बना रखा है।

सूत्रों के द्वारा बताया गया कि जब से सुप्पला टोप्पो का पदस्थापना पहाड़ी कोरबा आश्रम भेलवाडीह में हुआ है तब से वह यहां अपना हुकूमत चल रही है। सूत्र बताते हैं उक्त आश्रम में नौकरी में लगे दैनिक वेतन भोगीयो अपने घर में भी कार्य करवाया जाता है। यही नहीं जो पुराने दैनिक वेतन भोगी मजदूरों जिनके द्वारा उक्त आश्रम में वर्तमान

में कार्य नहीं किया जा रहा है। उनके नाम पर भी वेतन निकाल कर उन्हें एक हजार देकर बाकी वेतन के रुपए अपने पास रख लेती है। सूत्र के द्वारा बताया गया कि वहां कार्य कर रहे दैनिक वेतन भोगी कर्मियों में इतना दहशत व्याप्त है इसलिए वह इनका विरोध नहीं कर पाते हैं और ना ही कहीं शिकायत कर पाते हैं। ऐसा कहना इसलिए लाजमी होता है कि उक्त आश्रम में कार्य कर रहे दैनिक वेतन भोगियों का एकमात्र सहारा उनके द्वारा कार्य करने के एवज में मिली मजदूरी से उनका परिवार का भी भरण पोषण होता है। साथ ही उन्हें कार्य से निकालने का धौंस दिखाय रखा है जिस कारण मजदूर उनके खिलाफ शिकायत करने से कतराते हैं। सूत्र बताते हैं कि मजदूरों का वेतन भी 8 महीने 9 महीने में मिलता है। वह भी एक दो महीने का वेतन रोक कर दिया जाता है। क्या भेलवाडीह कोरवा आश्रम के अधीक्षिका के उच्च अधिकारियों का वधहस्त प्राप्त है? जो डंके के चोट पर सब परिवार उक्त आश्रम में अपना पोषण करने में लगे हैं? अगर बात सही है तो क्यों नहीं जा रहा है उच्च अधिकारियों का ईश्वर ध्यान?

मेडिकल कॉलेज के समीप शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दूसरे दिन गुरुवार को गंगापुर स्थित मेडिकल कॉलेज के समीप शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर लवाकर हटाया गया। नाले की जमीन पर 8-10 लोग अतिक्रमण कर निर्माण कर रखा था। जिसे प्रशासनिक टिम द्वारा ढहा दिया गया।

नगर निगम क्षेत्र गंगापुर स्थित मेडिकल कॉलेज के पास नाला की भूमि पर 8-10 लोगों द्वारा अतिक्रमण कर निर्माण कराया गया था। इसकी जानकारी होने पर नगर निगम व राजस्व विभाग द्वारा पूर्व में मौके पर पहुंच कर अतिक्रमण न करने का निर्देश दिया गया था। वहीं अतिक्रमणकारियों को नोटिस भी दिया गया था। नोटिस के बावजूद भी अतिक्रमण खाली करने के बजाए निर्माण कार्य कराया जा रहा था। गुरुवार को एसडीएम फागेश सिंहा, नगर निगम आयुक्त प्रकाश सिंह राजपूत, भवन अधिकारी प्रदीप पैकरा टीम के साथ मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। जेसीबी से सभी अवैध निर्माण को ढहा दिया गया। अतिक्रमणकारियों ने नाले की जमीन को पाट कर तीन से चार कमरों का घर बना रखा था। निगम आयुक्त प्रकाश सिंह राजपूत ने बताया कि लोगों को अतिक्रमण खाली करने के लिए दो से तीन बार नोटिस दिया गया था। इसके बावजूद भी अतिक्रमण इनके द्वारा नहीं हटाए जाने पर प्रशासनिक टीम द्वारा जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया है। मकान में कोई नहीं रह रहा था। केवल अतिक्रमण कर रखा था।

रुपए चोरी करने के नियत से एटीएम मशीन को तोड़ा, नाबालिग व युवक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने लगे सेंट्रल बैंक के एटीएम में बुधवार की रात चोरी के नियत से अज्ञात चोर द्वारा थोड़ फोड़ की गई थी। मामले में पुलिस ने नाबालिग व एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार लुण्ड्रा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने सेंट्रल बैंक का एटीएम लगा हुआ है। बुधवार की रात को रुपए चोरी करने के नियत से एटीएम मशीन को तोड़ फोड़ किया गया था। मामले की रिपोर्ट राकेश कुमार सिंह द्वारा लुण्ड्रा थाना में दर्ज कराई गई थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से पुलिस ने एक नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपने साथी महेश्वर उर्फ लकड़ू (19) निवासी ससौली थाना लुण्ड्रा के साथ रुपए चोरी करने के नियत से एटीएम मशीन को तोड़ फोड़ किए जाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लेकर उसे बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। वहीं आरोपी महेश्वर के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुण्ड्रा उप निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, सहायक उप निरीक्षक रामकरण राजवाड़े, आरक्षक निरंजन बड़ा, वीरेंद्र खलखो, बालकेश्वर पैकरा, कपील देव टोप्पो, जगेश्वर तिर्की शामिल रहे।

पेड़ से गिरकर जख्मी किशोरी की हुई मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

महुआ पेड़ से गिरने से एक किशोरी गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार आरती पिता गणेश पैकरा उम्र 16 वर्ष भैयाथान थाना क्षेत्र के ग्राम करौटी की रहने वाली थी। वह बुधवार की दोपहर घर के पास मी महुआ पेड़ पर चढक़र डोरी तोड़ रही थी। तभी वह पेड़ से नीचे गिर गई और गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए चेंदरा अस्पताल ले गए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

लहपटरा के पास बुधवार की रात को एक युवक सडक़ दुर्घटना में घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तपश कुमार पिता उमेश बेहरा उम्र 35 वर्ष शहर के केदारपुर का रहने वाल था। वह बुधवार की रात को बाइक से आ रहा था तभी लहपटरा के पास गड्ढे में गिर जाने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कुंवरपुर जलाशय में अज्ञात महिला का पानी में सड़ा-गला तैरता मिला शव

» मौके पर लखनपुर पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम पहुंची

» अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में महिला डाक्टर की टीम से कराया जाएगा पोस्टमार्टम

- संवाददाता -
लखनपुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंवरपुर जलाशय में गुरूवार की सुबह पानी में तैरता सड़ा-गला अज्ञात महिला के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जिसकी सूचना तत्काल लखनपुर थाना में दी गई । सुचना उपरान्त थाना प्रभारी अश्वनी सिंह अपने टीम के साथ कुंवरपुर जलाशय में पहुंच मौका निरीक्षण कर फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम को सूचना दी। साहनपुर पुलिस द्वारा मोबाइल में फोटो भेज कर आसपास के गांव में अज्ञात महिला शव का शिनाख्त की गई परन्तु अज्ञात महिला के शव का शिनाख्त नहीं हो सका। अंबिकापुर से आए फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम की उपस्थिति में पानी से शव को बाहर निकाला गया। और विभिन्न पहलुओं से मामले की छानबीन की जा रही है। लखनपुर अस्पताल में महिला डॉक्टर नहीं होने के कारण उक्त अज्ञात महिला के शव को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

वहीं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंवरपुर जलाशय में लगभग तीन से चार दिन पूर्व की सड़ी-गली हुई लाश बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी है । पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपरांत ही स्पष्ट हो सकेगा की पानी में डूबने से महिला की मौत हुई है या फिर महिला की हत्या कर पानी में शव को डाला गया है। महिला का शिनाख्त नहीं होने से पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ भी कहने की बात कह रही है।

एवीबीपी ने चलाया शंकर घाट में स्वच्छता अभियान

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर के कार्यकर्ताओं के द्वारा विकासार्थ विद्यार्थी (एसएफडी) द्वारा शंकर घाट तालाब में स्वच्छता अभियान चलाया गया। पिछले कई महीनो से शंकर घाट तालाब बहुत ही गंदा हो गया था शासन प्रशासन का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान न देना एवं पूजा की सामग्री को विसर्जन की कोई व्यवस्था न होने से शहरवासियों द्वारा यहां पूजा की सामग्री का विसर्जन किया जाता रहा है जिसमे पॉलिथीन सहित अन्य सामग्रियों का भी विसर्जन किया जाता रहा हैं। जिससे शंकर घाट में पॉलिथीन और अन्य प्रदूषित सामाग्री रह जाती है। जिससे घाट का सौंदर्य पूरी तरह से दूषित हो गया था। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने शहर के लोगों से आग्रह और जनता को जागरूक करते हुए यह आह्वान किया है कि जो भी व्यक्ति विसर्जन करने आते हैं वह पॉलिथीन, बोरी और ऐसी कोई वस्तु ना डालें जिसे घाट गंदा और प्रदूषित न हो। परिषद के कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि इस घाट में एक प्रवाह कुंड का निर्माण किया जाए ताकी विसर्जित पूजा समग्री कचरे आदि को घाट से निकालने में आसनी हो और नदी में कचरा फेल नहीं ,परिषद के कार्यकर्ता द्वारा घाट की अच्छे से सफाई कर नदी में से कचरे को भी बहार निकला गया और शहर के लोगों से आग्रह किया गया की नदी में पॉलिथीन,कांच, किल और नुकीली समग्री का ना फेके द्य इस जन जागरूकता अभियान में परिषद के प्रमुख कार्यकर्ताओं में उज्जवल तिवारी, गोपाल सिंह ,अविनाश मंडल, रोनी मिश्रा, आस्तिक सिंह , इन्हें साहू ,रितेश , लकी , सूर्य , पीयूष आदि मौजूद रहे।

पहाड़ी कोरवा नाबालिग बालिका से सामूहिक दुष्कर्म, दो नाबालिक सहित चार गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

नाबालिग बालिका से सामूहित बलात्कार के मामले में महिला थाना पुलिस ने दो नाबालिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 9 जून की रात की है। पीड़िता शादी कार्यक्रम में शामिल होकर सहेलियों के साथ वापस घर जा रही थी।

जानकारी के अनुसार पहाड़ी कोरवा 13 वर्षीय बालिका 19 जोन को एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव में गई थी। शादी कार्यक्रम में आरोपी लडक़े भी आए थे। बालिका देर रात को अन्य सहेलियों के साथ वापस घर जा रही थी। तभी रास्ते में बाइक अड़ाकर दो लडक़ों ने उसे बालिका को जबरन बैठाकर जंगल की ओर ले गए। वहां दोनों ने बलात्कार किया। इसके बाद दोनों लडक़ों ने मोबाइल से बात कर दो अन्य दोस्तों को भी वहां बुलाया। इन लोगों ने भी पीड़िता से बलात्कार किया। सामूहिक बलात्कार की घटना से पीड़िता बेहोश हो गई। बेहोश होने पर आरोपियों ने उसे जंगल में ही छोडक़र फरार हो गए। इधर डर से उसके सहेलियों ने घटना की जानकारी किसी को नहीं दी और अपने-अपने घर चले गए। वहीं पीड़िता को दूसरे दिन सुबह जब होश आया तो वह किसी तरह घर पहुंची। घर पहुंचने पर वह गुमशुम रह रही थी। गुमशुम रहने पर पीड़िता की मां ने उससे पूछ तो वह घटना की जानकारी दी। पीड़िता ने घटना की जानकारी देने के बाद वह मामले की रिपोर्ट 12 जून को महिला थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ धारा 341, 363, 376 सी, 376 डी, आईपीसी एवं 6 पॉक्सो एक्ट का अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। मामले में पुलिस ने विवेचना के दौरान घटना में शामिल दो नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिगों को बाल संप्रेक्षण गृह व आरोपी आकाश टोप्पो (21) निवासी रामनगर अंबिकापुर, क्रिसमस टोप्पो (20) निवासी कोरिमा अंबिकापुर को गिरफ्तार कर जेल दाख्लि कर दिया है।

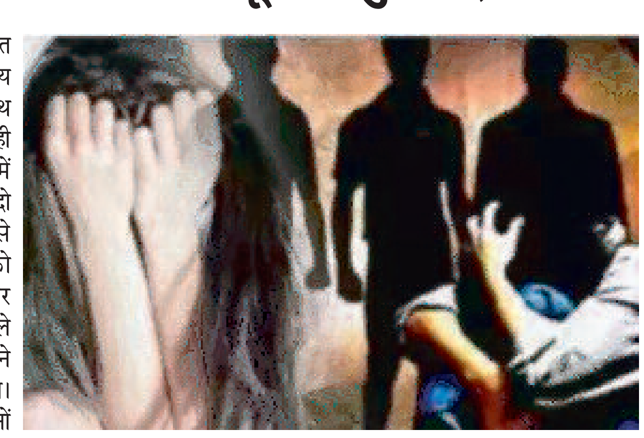

मीसाबंदियों के श्राप के कारण भूपेश सरकार का हुआ पतन : सच्चिदानंद उपासने

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

विष्णुदेव साय सरकार ने छत्तीसगढ़ के मीसा बंदियों को फिर से सम्मान निधि दिए जाने की घोषणा के बाद 5 वर्ष से बाकी सम्मान निधि को एक मुफ्त दिया। मीसाबंदियों ने भाजपा सरकार की इस पहल का स्वागत किया है. लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने भाजपा सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए आगामी 25 26 जून को राजधानी में अपने आवास पर ही पूरे निशा बंदी परिवार को आमंत्रित कर सम्मानित करने के मुख्यमंत्री द्वारा निर्णय को लेकर प्रदेश के सभी मीसाबंदियों की ओर से सीएम साय को धन्यवाद दिया है।

गुरुवार को अंबिकापुर के विश्राम भवन में प्रेस वार्ता के दौरान श्री उपासने ने कहा भूपेश सरकार ने मीसा बंदियों की सम्मान निधि साल 2019 में बंद कर दी थी. जिसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने दोबारा देने की घोषणा की , जिससे लोकतंत्र सेनानियों में नया उत्साह पैदा हुआ है। सच्चिदानंद उपासने ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मीसाबंदियों के श्राप के कारण ही भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार का पतन हुआ है। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने साल 2019 में मीसाबंदियों की पेंशन बंद कर दिया था. उसके बाद से लगातार मीसाबंदियों ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार से पेंशन शुरू किए जाने की मांग कई बार की, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे दोबारा शुरू नहीं किया. छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही भाजपा ने मीसाबंदियों की पेंशन शुरू करने के संकेत दे दिए थे. इसकी विधिवत घोषणा भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने करते हुए 5 वर्ष की बाकी सम्मान निधि को एक मुस्त दिया, जिसका हम आभार जताते हैं। उन्होंने कहा की मीसा बंदी वह पीढ़ी है जो देश की दूसरी आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। हम उन परिवार को संगठित करने का काम कर रहे हैं। इसके लिए वे प्रदेश में हर जगह जाकर लोगों से मिल रहे हैं।उन्होंने इंदिरा गांधी के शासनकाल में देश में आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि आपातकाल की घोषणा कर सभी के अधिकारों की आजादी छीन ली गई थी। 25 जून की कालरात्रि को मीसा कानून लागू किया गया था, जिसके तहत 21 महीने तक कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल में यात्राएं दी गई। हम उसे दिन को काला दिवस के रूप में मनाते हैं। आज उस कालखंड को 49 वर्ष हो गए। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जिस पीढ़ी ने देश की दूसरी आजादी की लड़ाई लड़ी उनके जीवन को शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, द्वारिका जयसवाल, हरमिंदर सिंह टिन्नी, संतोष दास सहित अन्य मौजूद थे।

सांसद बनने के पश्चात सरगुजा सांसद का प्रथम आगमन होगा सरगुजा भाजपा जिला कार्यालय में

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा सांसद के रूप में चिंतामणि महाराज का संकल्प भवन जिला भाजपा कार्यालय में प्रथम आगमन पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा संसदीय सीट को लेकर जनता ने फिर से भाजपा पर विश्वास जताया है और चिंतामणि महाराज को सांसद चुना है। उन्होंने बताया कि भाजपा नवनिर्वाचित सांसद चिंतामणि महाराज का प्रथम सरगुजा आगमन पर अंबिकापुर नगर के कई जगहों पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जानकारी बतौर जिला अध्यक्ष ने बताया कि दिनांक 14 जून को सायं 4. 30 बजे दरिमा चौक सूरज बस के कार्यालय से आगे स्थित मां महामाया मंदिर पहूंच मार्ग त्रिकोण पर भाजयुमो सरगुजा की पुरी टीम द्वारा सांसद का स्वागत किया जाएगा, 04.45 सायं में मां महामाया द्वार पर अल्पसंख्यक मोर्चा एवं अनुसुचित जाति मोर्चा सरगुजा द्वारा, 5.10 सायं में महामाया चौक पर पार्षद दल और अनुसुचित जनजाति मोर्चा, किसान मोर्चा सरगुजा द्वारा, 5.20 सायं में संगम चौक पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा सरगुजा द्वारा, 5.30 सायं को घड़ी चौक पर महिला मोर्चा सरगुजा द्वारा तथा 5.40 सायं में भाजपा कार्यालय संकल्प भवन अम्बिकापुर में स्वागत किया जाएगा। केंद्र में मोदी सरकार बनने उपरांत सांसद का सरगुजा में प्रथम आगमन पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है।

C M Y K

कुवैत में इमारत में आग लगने से 42 भारतीयों समेत 49 की मौत

राज्य मंत्री केवी सिंह ने अस्पताल जाकर घायलों से किया मुलाकात

नई दिल्ली/कुवैत सिटी,13 जून 2024। कुवैत के अहमदिया प्रांत के मंगाफ में भारतीय श्रमिकों के आवास वाली छह मंजिला इमारत में लगी आग में मारे गए 49 लोगों में कम से कम 42 भारतीय शामिल हैं। विदेश राज्य मंत्री केवी सिंह ने गुरुवार को उन अस्पतालों में से एक का दौरा किया, जहां घायल भारतीयों को भर्ती कराया गया है।

मरने वाले 42 भारतीयों में से 14 केरल के थे और बाकी तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों के थे। भारतीयों के अलावा, मरने वाले बाकी लोग पाकिस्तानी, फिलिपिनो, मिस्र और नेपाली नागरिक थे।

घायल हुए 50 से अधिक लोगों में से 35 गहन देखभाल में हैं, जिनमें से सात की हालत गंभीर बताई गई है। पांच वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। घायलों का

इलाज कुवैत के पांच सरकारी अस्पतालों में किया जा रहा है: अदन, जाबेर, फरवानिया, मुबारक अल कबीर और जाहरा अस्पताल। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया: प्रधानमंत्री @narendramodi जी के निर्देश पर, राज्य मंत्री @KVSinghMPGonda कुवैत पहुंचे और कल आग की घटना में घायल भारतीयों का हालचाल जानने के लिए तुरंत जाबेर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती 6 घायलों से मुलाकात की। वे सभी सुरक्षित हैं।÷ कुवैती अधिकारियों ने कहा है कि पीड़ितों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किया जाएगा। आग की घटना छह मंजिला इमारत में हुई, जहां एक निजी कंपनी के करीब 196 कर्मचारी रहते थे। शुरुआती जांच में हताहतों की बड़ी संख्या के लिए ग्राउंड फ्लोर पर करीब 20 रसोई गैस सिलेंडर रखे होने को जिम्मेदार ठहराया गया, जहां कथित तौर पर आग लगी थी। रिपोर्टों ने यह भी संकेत दिया कि रात की शिफ्ट पूरी करने के बाद सो रहे अधिकांश कर्मचारी पांचवीं और छठी मंजिल पर थे। अधिकांश की मौत भारी जहरीले धुएं में सांस लेने के कारण हुई। लोक अभियोजन ने दुखद घटना की जांच शुरू कर दी है। राज्य अभियोजन अधिकारियों ने आग के

दृश्य का निरीक्षण किया और अस्पतालों में घायल पीड़ितों से बात की। भारतीय राजदूत आदर्श स्वैका ने भी दुर्घटना स्थल और उन सभी अस्पतालों का दौरा किया, जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने दूतावास की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। रिपोर्ट के अनुसार, जिस इमारत में आग लगी थी, उसका मालिक हिरासत में है और जांच पूरी होने तक हिरासत में रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अहमद अल-अवधी ने कहा कि मंत्रालय से संबद्ध अस्पतालों में आग में घायल 56 मरीज आए। इनमें से 41 लोगों को आंतरिक चिकित्सा, सर्जरी या आर्थोपेडिक्स विभागों में भर्ती होने की आवश्यकता थी। ये मरीज धुएं के कारण सांस लेने (कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता सहित) और जलने से लेकर गिरने से फ्रैक्चर तक की स्थितियों से पीड़ित थे।

भर्ती किए गए नौ मरीजों को गहन देखभाल उपचार की आवश्यकता थी, जबकि 11 व्यक्तियों को उपचार और उनके स्वास्थ्य में स्थिरता के बाद पहले ही छुट्टी दे दी गई है।

आग लगने की घटना स्थल पर तैनात चिकित्सा टीमों ने 11 व्यक्तियों का उपचार किया। इनमें से चार रोगियों की आगे की देखभाल के लिए ले जाए जाने के दौरान मृत्यु हो गई।

कुवैत के प्रथम उप प्रधान मंत्री, रक्षा मंत्री और आंतरिक मंत्री शेख फहाद यूसुफ अल-सबा ने गुरुवार को कुवैत के कई क्षेत्रों में अवैध संपत्तियों पर एक समग्र निरीक्षण अभियान का नेतृत्व किया।

डब्ल्यूएचओ ने जलवायु घटनाओं से प्रभावित 9 लाख सोमालियों की मदद के लिए नई परियोजना शुरू की

मोगादिशु,13 जून 2024। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को घोषणा की कि उसने 2024 तक लगभग 900,000 लोगों तक जीवन रक्षक हस्तक्षेप पहुँचाने के लिए एक नई परियोजना शुरू की है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह परियोजना सोमालिया के उन लोगों को लक्षित कर रही है जो अभी भी बाढ़ और सूखे जैसी चरम जलवायु घटनाओं के प्रभावों के साथ जी रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में जारी एक बयान में कहा, यह परियोजना समुदायों और स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच रेफरल लिंकेज को भी मजबूत करेगी ताकि महत्वपूर्ण देखभाल की गुणवत्ता, पहुँच और कवरेज में सुधार हो सके। इसमें चिकित्सा जटिलताओं के साथ गंभीर तीव्र कुपोषण वाले बच्चों के लिए स्थिरीकरण केंद्रों में इन-पेशेंट उपचार शामिल है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि नई परियोजना एक पिछली परियोजना के पूरा होने के बाद शुरू की गई है, जिसने एकीकृत स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं के साथ सोमालिया में सूखे और बाढ़ से प्रभावित 3 मिलियन से अधिक लोगों को लाभान्वित किया। यह देश भर में बाढ़ और सूखे से प्रभावित 15 जिलों को लक्षित करता है।

WHO ने कहा कि इसका उद्देश्य स्वास्थ्य प्रणाली के लचीलेपन को मजबूत करते हुए आवर्ती जलवायु झटकों, खाद्य असुरक्षा और बीमारी के प्रकोप, विशेष रूप से हैजा के स्वास्थ्य प्रभावों को कम करना है।

WHO के अनुसार, सोमालिया में हैजा का प्रकोप जारी है, जो दिसंबर 2023 की बाढ़ के बाद से और भी बदतर हो गया है, जिसने स्वच्छता सुविधाओं को नष्ट कर दिया और अधिक विस्थापन का कारण बना।

पूर्वानुमानों का अनुमान है कि भारी गु (अप्रैल से जून) बारिश के कारण प्रकोप जारी रहेगा, जिससे संभावित रूप से अचानक बाढ़ आ सकती है।

WHO ने कहा कि यह सोमालिया के स्वास्थ्य और मानव सेवा मंत्रालय को जिला स्तर पर हैजा सहित बीमारी के प्रकोप की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और त्वरित प्रतिक्रिया को मजबूत करने में भी सहायता करेगा।

इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी द्वीप पर 5.9 तीव्रता का भूकंप आया

जकार्ता,13 जून 2024। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत के तट पर गुरुवार सुबह 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार, इससे बड़ी लहरें नहीं

उठीं। शुरुआत में एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 6.0 बताई, लेकिन बाद में इसे कम कर दिया। भूकंप गुरुवार को जकार्ता समयानुसार सुबह 00:01 बजे (बुधवार को 1701 GMT) आया, जिसका केंद्र तालुद द्वीप समूह के उत्तर-पश्चिम में 41 किमी दूर समुद्र तल से 32 किमी नीचे था। भूकंप की तीव्रता तालुद द्वीप समूह में III और IV MMI (संशोधित मर्कली तीव्रता) के बीच दर्ज की गई, संगीहे द्वीप समूह में III MMI और प्रांतीय राजधानी मनाडो में II MMI दर्ज की गई। भूकंप से बड़ी लहरें उठने की आशंका नहीं थी, इसलिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। इंडोनेशिया, एक द्वीप राष्ट्र भूकंपीय रूप से सक्रिय प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित है।

ताइवान ने 23 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया

ताइपे,13 जून 2024। ताइवान की सेना ने पिछले 24 घंटों में द्वीप के करीब चीनी सशस्त्र बलों के 23 विमानों और 7 जहाजों का पता लगाया है, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा।

÷ताइवान के आसपास संचालित 23 पीएलए विमान और 7 पीएलएएन [नौसेना] जहाजों का पता आज सुबह 6 बजे तक लगाया गया था [बुधवार को 22-00 बजे, जीएमटी]। 19 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के दक्षिण-पश्चिम और पूर्वी एडीआईजेड [वायु रक्षा पहचान क्षेत्र] में प्रवेश किया, ÷मंत्रालय ने एक्स पर कहा।

मई में, चीनी सशस्त्र बलों ने ताइवान के आसपास व्यापक सैन्य अभ्यास किया, द्वीप के प्रशासन के नए प्रमुख लाइ चिंग-ते के पदभार संभालने के दो दिन बाद।

जून की शुरुआत में बीजिंग ने कहा था कि चीनी सेना सैनिकों को प्रशिक्षित करना, युद्ध की स्थिति में तैयारी करना और ताइवान की स्वतंत्रता के खिलाफ लड़ना जारी रखेगी, साथ ही पुनर्मिलन को बढ़ावा देगी और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करेगी, साथ ही सेना देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए अपने कर्तव्यों का दृढ़ता से पालन करेगी।

1949 से ताइवान मुख्य भूमि चीन से स्वतंत्र रूप से शासित है। बीजिंग इस द्वीप को अपना प्रांत मानता है, जबकि ताइवान - अपनी स्वयं की चुनी हुई सरकार वाला क्षेत्र - यह मानता है कि यह एक स्वायत्त देश है। बीजिंग ताइपे के साथ विदेशी राज्यों के किसी भी आधिकारिक संपर्क का विरोध करता है और द्वीप पर चीनी संप्रभुता को निर्विवाद मानता है।

रामगढ़ महोत्सव 2024

22 जून को संगोष्ठी,कवि सम्मेलन,23 जून को होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

» **जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में तैयारी के संबंध में उदयपुर जनपद सभाकक्ष में हुई बैठक**

- संवाददाता -

अंबिकापुर,13 जून 2024 (घटती-घटना)।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामगढ़ महोत्सव 2024 का आयोजन रामगढ़ उदयपुर में आषाढ़ माह के प्रथम दिवस के अवसर पर किया जाना है। दो दिवसीय आयोजन में 22 जून 2024 को शोध संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन एवं द्वितीय दिवस 23 जून 2024 को समय प्रातः 11:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाना है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर द्वारा रामगढ़ महोत्सव के लिए नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा एवं सहायक नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर जिला सरगुजा को नियुक्त किया गया है।

इस संबंध में गुरुवार को जनपद पंचायत सभाकक्ष उदयपुर में बैठक का आयोजन किया गया जहां जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भोजवंती सिंह, उपाध्यक्ष श्री नीरज मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य श्री राजनाथ सिंह, एसडीएम श्री बीआर खांडे, एसडीओपी ग्रामीण श्री अमित पटेल, जिला पुरातत्व संघ के सदस्य श्री आलोक दुबे, करता राम गुप्ता सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिला व खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी अधिकारियों को उन्हें सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन और समन्वय करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन हेतु निर्देशित किया गया एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा आयोजन के संबंध में सुझाव रखे गए।

आवश्यक तैयारियों हेतु विभागों को सौंपे गए दायित्व

गत दिवस महोत्सव की आवश्यक तैयारी के संबंध में अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। जिसमें पार्किंग, वाहन व्यवस्था, ट्रैफिक रूट चार्ट, कानून, ब्लड ग्रुप व्यवस्था हेतु पुलिस अधिक्षक जिला सरगुजा, विभागीय प्रदर्शनी से संबंधित स्टॉल हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर सरगुजा श्री नीरज कौशिक को, प्रोटोकाल कारकेट कानून व्यवस्था हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उदयपुर, मंच पर साज-सज्जा होर्डिंग, मंच की डिजाइनिंग, फ्लैक्स बैनर एवं डेकोरेशन, मंच पर अतिथियों के बैठने की व्यवस्था एवं कलाकारों, शोध वाचकों हेतु वन विभाग के प्रदर्शनी केन्द्र में भोजन की व्यवस्था हेतु वनमण्डलाअधिकारी सरगुजा, नियत स्थल पर मंच एवं ग्रीन रूम का निर्माण, बैरीकेटिंग टेंट, कुर्सी आदि की सम्पूर्ण व्यवस्था, विकास प्रदर्शनी हेतु पृथक से टेंट एवं स्टॉल की व्यवस्था हेतु लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता, रामगढ़ महोत्सव् के कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा अतिथियों हेतु फूल माला एवं बुके की व्यवस्था हेतु उद्यानिकी विभाग के उपसंचालक, ग्रीन रूम एवं मंच के सामने अतिथि दीर्घा में स्वल्पाहार की व्यवस्था, मीडिया टीम के लिए भोजन की व्यवस्था हेतु जिला खाद्य अधिकारी, प्रबंधक जिला नागरिक आपूर्ति निगम, प्रबंधक मार्कफेड, प्रबन्धक वेयर हाउस को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसी प्रकार रेस्ट हाउस उदयपुर में अतिथियों के भोजन व्यवस्था हेतु कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग, कार्यक्रम स्थल पर प्रतिदिन साफ-सफाई, कार्यक्रम स्थल एवं भोजन स्थल पर पानी टेंकर की व्यवस्था हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उदयपुर एवं नगर पंचायत उदयपुर को, अम्बिकापुर के कलाकेंन्द्र मैदान से रामगढ़ कार्यक्रम स्थल तक 02 बसों की व्यवस्था हेतु क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंच संचालन हेतु उदघोषक, फोल्डर, इत्यादि की सम्पूर्ण व्यवस्था एवं पल-प्रतिपल विवरण व्यवस्था, स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती एवं प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था, अतिथियों, शोधकर्ता विद्वानों एवं कविगण हेतु बैज की व्यवस्था हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को, स्थानीय कवि सम्मेलन हेतु साहित्यकारों का चयन एवं प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था एवं वितरण हेतु जिला परियोजना समन्यव्यक समग्र शिक्षा को, बाह्य कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का चयन एवं प्रोत्साहन राशि भुगतान की व्यवस्था हेतु अपर कलेक्टर सरगुजा श्री सुनिल कुमार नायक, जिला शिक्षा अधिकारी , जिला परियोजना समन्व्यक समग्र शिक्षा एवं महाप्रबंधक उद्योग विभाग को, स्थानीय लोक नर्तक दल की सम्पूर्ण व्यवस्था एवं शोध संगोष्ठी के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था हेतु सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को, कार्यक्रम स्थल पर विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से उपलब्ध कराना कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ विद्युत कंपनी शहरी एवं ग्रामीण, कार्यक्रम स्थल पर जीवन रक्षक दवाईयों के साथ चिकित्सा दल एंबुलेंस नियुक्त करना एवं उपचार की व्यवस्था कराना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, आमंत्रण कार्ड वितरण प्रभारी समस्त तहसीलदार समस्त एवं समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को, कालीदास के ग्रंथों प्रदर्शनी हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालन जनसंपर्क अधिकारी, ग्रंथपाल जिला ग्रंथालय को, शोध सगोष्ठी एवं शोध पत्र का वाचन, संचालन एवं प्रलेखन हेतु जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता, नोडल अधिकारी पर्यटन, प्राचार्य शा.स्नातक महाविद्यालय अम्बिकापुर, प्राचार्य शा. स्नातक महाविद्यालय उदयपुर को, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र की व्यवस्था हेतु जिला खनिज अधिकारी, कार्यक्रम स्थल पर साउंड माइक, एल.ई.डी. एवं जनरेटर की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग ई एंड एम, कार्यक्रम स्थल पर फायर बिग्रेड की व्यवस्था जिला सेनानी नगर सेना, प्रेस की बैठक व्यवस्था।जिला जनसंपर्क अधिकारी, प्रचार-प्रसार हेतु होर्डिंग।बैनर की व्यवस्था एवं शोध संगोष्ठी हेतु बुकलेट की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता प्र.ग्रा. स. योजना एवं कार्यपालन अभियंता मु.ग्रा.सड़क योजना, मेला स्थान पर डयूल सोलर पम्प का सुधार एवं संचालन, मेला स्थान पर सोलर हाई मास्ट लाईट की व्यवस्था हेतु क्रेड़ा विभाग, मेला स्थान पर बोया टायलेट की साफ-सफाई, शौचालय की सफाई, रंगाई पोताई एवं आवश्यक मरम्मत का कार्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उदयपुर, मेला स्थल पर शेडों की रंगाई, पोताई का कार्य कार्यपालन अभियंता यांत्रिकी ग्रामीण सेवा विभाग, प्रमुख पुरातात्विक स्थलों में साईन बोर्ड की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा विभाग,

कार्यक्रम पूर्व जिला पुरातत्व एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर रामगढ़ महोत्सव संबंधी बैठक के आयेजन की संपूर्ण व्यवस्था करना हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उदयपुर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उदयपुर, प्रभारी अधिकारी संस्कृति एवं पुरातत्व को, आमंत्रण कार्ड मुद्रण का कार्य, प्लास्टिक मुक्त बैग/फोल्डर की व्यवस्था हेतु पर्यावरण अधिकारी , विद्वानों के ठहरने एवं परिवहन की व्यवस्था, कार्यपालन अभियंता हाउसिंग बोर्ड , फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी की व्यवस्था मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अम्बिकापुर एवं लखनपुर को सौंपी गई है।

वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से मुलाकात कर साक्षरता हेतु किया गया जागरूक,जल्द शुरू होंगी कक्षाएं

- संवाददाता -

अंबिकापुर,13 जून 2024 (घटती-घटना)।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत गुरुवार को साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा विकासखंड अम्बिकापुर के राघवपुर स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से चर्चा कर साक्षरता हेतु जागरूक किया गया। वृद्धाश्रम के संचालक संजय ठाकुर से शीघ्र ही कक्षा संचालन आरंभ करने पर चर्चा की गई।

वृद्धजनों में भी कक्षा संचालन को लेकर उत्साह देखा गया। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित उल्लास कार्यक्रम के तहत 15 वर्ष से अधिक असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरगुजा में भी जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण भी निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है और इसी परिप्रेक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम व जागरूकता अभियान आरंभ कर दिया गया है ताकि सरगुजा से असाक्षरता के अभिशाप को पूर्णतः समाप्त किया जा सके।

नवपदस्थ एसपी ने संभाला पदभार,अधिकारियों को दिया कई निर्देश

- संवाददाता -

अंबिकापुर,13 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के नवपदस्थ एसपी वर्ष 2018 बैच के आईपीएस योगेश पटेल ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

पदभार ग्रहण करने के बाद एसपी योगेश पटेल ने अपने कार्यालय के विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर कार्यालयीन गतिविधियों की समीक्षा की और कार्यों में गतिशीलता लाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस अधिकारी कर्मचारियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था बनाए रखने के दिशा निर्देश दिए। वहीं एसपी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर जायजा लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद नव पदस्थ एसपी ने आईजी कार्यालय पहुंचकर आईजी अंकित गर्ग से सौजन्य भेंट कर पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया। एसपी योगेश पटेल सरगुजा जिले के कमान संभालने से पूर्व पुलिस अधीक्षक जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही एवं कमांडेंट 4 वाहनी सशस्त्र बल माना रायपुर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा थाना/चौकी प्रभारियों को जिले मे सख्त क़ानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु आसामजिक तत्वों एवं आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त व्यक्तियों पर लगातार कड़ी कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिए गए, साथ ही आमनागरिकों की शिकायतो पर तत्काल अग्रिम वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया हैं।

क्या नैतिकता के आधार पर स्वास्थ्य मंत्री व दो जिलों के जिलाध्यक्ष छोड़ेंगे पद या फिर करते रहेंगे पार्टी का बेड़ागर्क?

खुद के लोकसभा क्षेत्र से पराजित होने के बाद भाजपा केंद्रीय कार्यालय में जश्न मना रहे हैं स्वास्थ्य मंत्री व दो जिलों के जिलाध्यक्ष!

लोकसभा जीतकर शामिल होते शपथ ग्रहण में तो बात ही कुछ और थी लेकिन हारकर भी हुए शामिल और कर रहे फोटो बाजी, क्या हार का नहीं है गम

दो जिलाध्यक्ष...एक मंत्री...दो विधायक...फिर भी तीनों विधानसभाओं में मिली लोकसभा में करारी हार...कमियों की समीक्षा छोड़ जश्न में डुबे मंत्री सहित दो दो जिलाध्यक्ष

जहां दो जिलाध्यक्ष व एक कैबिनेट मंत्री व दो विधायक को हार की जिम्मेदारी लेनी थी वहां जिम्मेदारी से भाग रहे दूर क्यों?

लोकसभा प्रत्याशी को अपने क्षेत्र के तीनों विधानसभाओं से हराने के बाद किस मुंह से पहुंचे भाजपा के केंद्रीय कार्यालय स्वास्थ्य मंत्री व दो जिलाध्यक्ष?

फोटो सोशल मीडिया में तस्वीर साझा कर खुद को बड़ा बतलाने की कोशिश, जबकि इन्होंने कर डाला है पार्टी का बंटाधार

दोनो जिलाध्यक्षों के विधानसभा क्षेत्र में हुई है पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी की हार

दोनो जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कमजोर हो गई दोनों जिले में पार्टी...महिमा मंडन करने की अजीब सी ललक है जिलाध्यक्ष कोरिया भाजपा को

श्रेय खुद लेना और दोष दूसरे पर डालना आदत है उनकी इसलिए कार्यकर्ता भी हो गए हैं बिल्कुल मायूस

जल्द नहीं हटाए गए दोनों जिलाध्यक्ष तो पंचायत चुनावों में भी पार्टी प्रत्याशियों की होगी हार

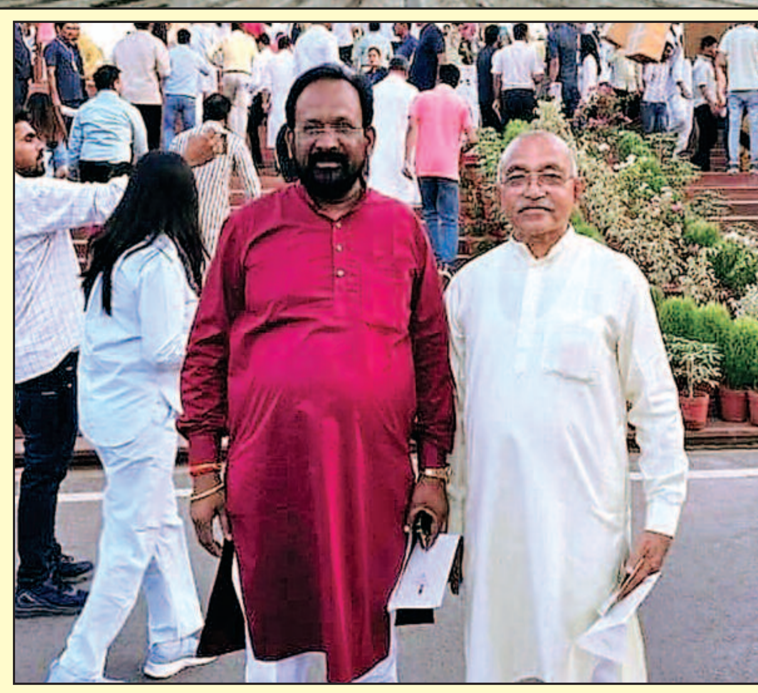

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी 13 जून 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ 2023 विधानसभा में विभाजित कोरिया जिले के तीनो विधानसभाओं में भाजपा को जीत मिली थी भाजपा के तीन विधायक निर्वाचित होकर जनता की सेवा करने के लिए विधानसभा पहुंचे थे, उसमें से एक विधायक को सरकार बनते ही कैबिनेट में शामिल किया गया किसी को उम्मीद नहीं थी मनेंद्रगढ़ विधायक को कैबिनेट में सबसे बड़ा पद जो की स्वास्थ्य मंत्री का पद है दिया जायेगा, लेकिन जब उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया तो लोगों को लगा की हर जगह की स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर होगी और प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग बेहतर काम करेगा लेकिन स्वास्थ्य मंत्री बनने के चार माह तक उनका कोई भी स्वास्थ्य विभाग के मामले में लोगों के बेहतर स्वास्थ्य मामले में ऐसा कोई काम नहीं देखने को मिला जिससे जनता संतुष्ट हो, यही वजह थी कि लोकसभा चुनाव में जिस अंतर से वह जीत दर्ज कर सके थे खुद के विधानसभा में उससे भी अधिक अंतर से भाजपा की प्रत्याशी को हार का समाना करना पड़ा, उनके विधानसभा से और उनके प्रभाव वाले दो अन्य विधानसभाओं से जिसकी आलोचना भी खूब हो रही है मंत्रिमंडल से उन्हें हटाने की भी बात सामने आ रही है, अब जब कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी को मनेंद्रगढ़ विधानसभा से भी पिछड़ना पड़ा तब इसके बाद कई सवाल खड़े होने लगे, जहां पर मंत्री सहित विधायकों को इस मामले में समीक्षा करनी चाहिए थी वहां वह गोंडवाना पार्टी के वोट को कांग्रेस में शिफ्ट होने की बात करके अपने आप को बचाना चाह रहे हैं। हार के बावजूद भी जहां समीक्षा होनी थी वहां पर न जाने किस मुंह से स्वास्थ्य मंत्री वहीं दोनों जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष के केंद्रीय कार्यालय में हंसते हुए जश्न में मनाते दिखे, केंद्र में भले ही एनडीए सरकार बन गई हो पर अपना सांसद प्रत्याशी तो इन्होंने हरवा दिया? स्वास्थ्य मंत्री का तो यह हाल रहा की कांग्रेस समय के भ्रष्टाचार की भी जांच नहीं कर पाए ना ही कोई आदेश दे पाए, यहां तक की भ्रष्टाचार मचाने वाले अधिकारियों को भी हटा नहीं पाए और अब जब मंत्रिमंडल से उन्हे हटाए जाने का खतरा मंडरा रहा तो लगातार बैठक करके बता रहे कि अब वह प्रदेश के स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति व अपने मंत्री पद के प्रति जागरूक हो गए हैं और बैठक ले रहे हैं पर आज भी सवाल वही है की फिर 4 महीनों में उन्होंने क्या किया? मंत्री बनने के बाद उनके पास 4 महीने काम करने का समय था पर यह चार महीने उन्होंने क्या किया?

भाजपा के दो जिलाध्यक्ष भी केंद्रीय कार्यालय में मंत्री जी के साथ हंसते मुस्कुराते नजर आ रहे हैं वह किस हिम्मत और जज्बे से वहां जाकर जश्न पार्टी की जीत का सरकार गठन का मना रहे हैं यह भी सवाल है क्योंकि आधी हार उनके व्यवहार और उनकी एकला चलो की नीति से तय हो चुकी थी जिसमे लोकसभा प्रत्याशी उलझ गई और वह नहीं समझ पाई की जिलाध्यक्ष अपने एकला चलो की नीति के कारण कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ भाजपाइयों के बीच ही विरोध झेल रहे हैं और उनका पार्टी में होना ही पार्टी के लिए नुकसानदायक है। वैसे पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की हार हुई है हार का कारण भी ज्ञात है जो शुरू से ही लोगों को आभास हो चला था और जिसकी लोग चर्चा भी आपस में कर रहे थे खासकर पार्टी के लोग और हुआ भी वही लेकिन उसके बावजूद मंत्री दो जिलाध्यक्ष पहुंच गए केंद्रीय पार्टी कार्यालय और जश्न में शामिल हो लिए। वैसे मंत्री जी मंत्री बने रहने की दौड़ में केंद्रीय कार्यालय दौड़ रहे हैं लेकिन क्या जिलाध्यक्ष भी जिलाध्यक्ष बने रहने के लिए दौड़ रहे हैं यह भी एक सवाल है वैसे सभी का कार्यकाल कैसा है यह चार महीने में समझ में आ चुका है और तय है की इनके नेतृत्व में अगला मौका पार्टी को इन जगहों पर नहीं मिलना है जो तय है,क्योंकि सीधे मुंह कार्यकर्ताओ से बात भी नहीं करते यह लोग यह कार्यकर्ताओं का ही कहना है।

कोरिया सहित एमसीबी में भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी की हुई है हार

बता दें की कोरबा लोकसभा क्षेत्र में आने वाले तीन विधानसभाओं के दो जिले कोरिया और एमसीबी ऐसे जिले हैं भाजपा के हिसाब से जिनके जिलाध्यक्ष दिल्ली मोदी पार्ट 3 के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे हैं। दोनों जिलाध्यक्ष अपने अपने जिले से पार्टी प्रत्याशी को बढ़त दिला पाने में असफल साबित हुए हैं और दोनों जिले की तीनों विधानसभाओं में पार्टी प्रत्याशी की करारी हार हुई है। अपने क्षेत्र में विधानसभा चुनाव का परिणाम जहां जिलाध्यक्षों को दुहरना था दोनों दोहरा पाने में असफल साबित हुए और उसके बावजूद दिल्ली पहुंच गए शपथ ग्रहण समारोह में।

क्या बना था खाद्य मंत्री बनाकर स्वास्थ्य मंत्री?

मनेन्द्रगढ़ विधायक को सबसे बड़ा पद यानी कि स्वास्थ्य विभाग दे दिया गया पर उनकी रुचि खाद्य विभाग में ज्यादा है क्योंकि वह खुद ही राइस मिलर है और उनकी राइसमिलरों से काफी अच्छी मित्रता है राइस मिलर संघ में वह पदाधिकारी भी रह चुके हैं आज भी राइस मिलर अपने किसी भी काम के लिए इन्हीं के पास जाना ज्यादा उचित समझते हैं ऐसा सूत्रों का कहना। ऐसे में सवाल यह उठने लगा है कि क्या उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाकर भाजपा ने गलत कर दिया उन्हें खाद्य मंत्री बनाना था ताकि राइस मिलरों का काम होता रहता और राइस मिल खुलते रहते, मंत्री के नाम पर राइस मिलर धमकी भी देते रहते हैं जैसा की एक धमकी देने का ऑडियो भी वायरल हुआ था। जनता को छोड़ व्यापारियों से ज्यादा गिरे रहते हैं स्वास्थ्य मंत्री।

भाजपा प्रत्याशी जितना मत प्राप्त कर सकीं वह अपने मेहनत के बलबूते प्राप्त की

बता दें की यह कहना कतई गलत नहीं होगा की भाजपा प्रत्याशी जितना मत प्राप्त कर सकीं वह अपने मेहनत के बलबूते प्राप्त कर सकीं वहीं वह मोदी गारंटी के बलबूते दोनों जिले में कुछ मत प्राप्त का सकीं, जिलाध्यक्षों के भरोसे उन्हे भाजपा के कर्मठ एवम जुझारू कार्यकर्ताओं का भी मत नहीं मिलता यह सभी की जुबानी कही जाने वाली बात है।

राइसमिलरों की गिरफ्त में मंत्री-

मंत्री जी भले ही स्वास्थ्य मंत्री हैं लेकिन वह नब्ज राइसमिलरो का पढ़ना बेहतर जानते हैं यह बताया जाता है।बताया जा रहा है की मंत्री जी का खुद का राइस मिल है और उनके मंत्री बनते ही प्रदेश के सभी राइसमिलर अब पूरी तरह उन्हे गिरफ्त में ले चुके हैं।वैसे कौन किसके गिरफ्त में है यह कहना स्पष्ट रूप से आसान नहीं है लेकिन राइस मिलर पूरी तरह मनमानी पर उतर चुके हैं और उन्हे मंत्री जी के रहते हुए कोई भय नहीं है यह उनका साफ कहना है।बता दें की राइस मिलर मंत्री जी के नाम पर धमकाने का भी काम कर रहे हैं। हाल ही में एक राइस मिल खोलने जा रहा व्यापारी जनपद उपाध्यक्ष पति बैकुंठपुर को धमकी दे रहा है फोन पर और जीने नहीं दूंगा कह रहा है मंत्री जी का नाम ले रहा है ऑडियो वायरल है सुना जा सकता है।मंत्री जी राइसमिलरो से पूरी तरह संपर्क में रहते हैं उनकी जायज नाजायज मांग पूरी हो यह राइस मिलर चाहते हैं जिसको लेकर मंत्री जी की भी सहमति उनके प्रति है यह सूत्रों का कहना है।

काश खुद के विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी को जिताकर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होते जिलाध्यक्ष-

कोरिया जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष विगत दिनों से खासकर मोदी पार्ट 3 के शपथ ग्रहण समारोह संपन्न होने के बाद से ही काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं सोशल मिडिया में और लगातार शपथ ग्रहण की वह तस्वीर साझा कर रहे हैं,तस्वीरों में उनके साथ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और प्रदेश के ही सांसद जिन्हे केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया है वह मौजूद हैं और एक अन्य जिलाध्यक्ष भी मौजूद हैं जो एमसीबी नवीन जिले के प्रथम जिलाध्यक्ष हैं जो भी उनके साथ मौजूद हैं और तस्वीरों में दोनों देश की राजधानी में मौजूद हैं काफी उत्साहित हैं और प्रसन्न भी हैं यह समझ में आ रहा है। दोनों जिलाध्यक्ष मोदी पार्ट 3 का जश्न मना रहे हैं यह वह जता रहे हैं जबकि दोनों के ही जिले की तीनों विधानसभाओं से भाजपा की कोरबा लोकसभा प्रत्याशी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है और कहीं न कहीं भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी की हार इन्हीं दोनों जिले में बड़ी हार है और जिसकी संभावना भी पहले से ही व्यक्त की जा रही थी क्योंकि दोनों की एकला चलो नीति से कार्यकर्ता निराश थे और उन्हे चुनाव में जिम्मेदारी भी नहीं प्रदान की गई,सारी जिम्मेदारी अकेले ही जिलाध्यक्षों ने उठा ली थी अपने कंधे पर अपने घर परिवार के सदस्यों के कंधे पर और परिणाम यह हुआ की पार्टी प्रत्याशी बुरी तरह हार गईं। कोरिया जिले एमसीबी जिले में कार्यकर्ता संगठन और जिलाध्यक्ष अलग अलग चल रहे हैं एकजुटता का अभाव है यह पार्टी प्रत्याशी भी भांप चुकी थीं प्रचार के दौरान उन्हे यह आभास हो गया था की दोनों जिले में संगठन जिलाध्यक्षों की तानाशाही में निष्क्रीय हो चुका है इसलिए वह खुद ही दोनों जिले में ज्यादा से ज्यादा समय तक प्रचार अभियान में शामिल होती रहीं और कहीं न कहीं मोदी जी के गारंटी के नाम पर लोगों से मतदान की अपील करती रहीं। भाजपा की कोरबा लोकसभा प्रत्याशी को कांग्रेस की लोकसभा प्रत्याशी से आखिरकार हार का सामना करना पड़ा और वह भी तब जबकि कांग्रेस प्रत्याशी से ज्यादा उन्होंने चुनाव में मेहनत की।

बिना प्रत्याशी के जीत के ही खुशी मना रहे हैं दोनो जिलाध्यक्ष

खैर फिलहाल सोशल मिडिया पर जिलाध्यक्ष द्वय की तस्वीर कोरिया जिला भाजपा अध्यक्ष साझा कर रहे हैं, दिल्ली का उत्साह सरकार तीसरी बार बन सकी इसका उत्साह वह जाहिर कर रहे हैं और मंत्रियों से बड़े नेताओं से मुलाकात की तस्वीर शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीर गेट पास की तस्वीर साझा कर रहे हैं और जिसके बाद यह भी लोगों की प्रतिक्रिया खासकर भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं की प्रतिक्रिया दोनों जिले के समाने आ रही है की काश मेहनत करके अपना प्रत्याशी जीताकर ले जाते दिल्ली तब शामिल होते उत्साह से शपथ ग्रहण समारोह में, बिना प्रत्याशी के जीत के ही खुशी मना रहे हैं दोनो जिलाध्यक्ष अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओं को पदाधिकारियों के साथ जहां दोनों को जाकर समीक्षा करने की जरूरत थी हार की दोनों दिल्ली में अकेले उत्साह मना रहे हैं जश्न मना रहे हैं। कार्यकर्ताओं को काफी आक्रोशित देखा जा रहा है अंदरखाने और दबी जबान में वह यह कहते भी सुने जा रहे हैं की यही एकला चलो की नीति अभी डुबाई है आगे फिर डूबाएगी। वैसे जब प्रदेश में सरकार रहते हुए जिले में मंत्री रहते हुए जिले से दोनों जिले से भाजपा प्रत्याशी की हार हुई जबकि पूरे प्रदेश में भाजपा की लहर थी मोदी की लहर थी यह कहना गलत नहीं होगा की जीत को हार में बदला गया कहीं न कहीं हार प्रायोजित की गई क्योंकि बड़े स्तर की नेता की जीत कोई भाजपा नेता नहीं चाहता था और खासकर जिलाध्यक्ष द्वयय तो बिलकुल नहीं।

अपने सांसद प्रत्याशी को जीता नहीं पाए और भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में घूम रहे मंत्री जी व जिलाध्यक्ष दो जिले के किस मुंह से?

कोरबा लोकसभा सीट यदि भाजपा जीत जाती प्रदेश की सभी सीट भाजपा के खाते में आ जाती। बता दें की 11 में से 10 लोकसभा सीट प्रदेश में भाजपा ने जीती हैं और यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि 10 सीटों पर मंत्री विधायक जिलाध्यक्ष सहित कार्यकर्ताओं के बीच आपसी तालमेल अच्छा था और वह बेहतर सामंजस्य के साथ चुनाव प्रचार करते रहे और उन्हे सफलता मिली।कोरबा लोकसभा सीट में सबसे खराब प्रदर्शन पार्टी का कोरिया जिले एमसीबी जिले में रहा।दोनो जिले में पार्टी अपने प्रत्याशी के लिए उतना भी मत नही जुटा पाई जितना उसे विधानसभा चुनाव में मिल सका था। बता दें की भले ही जिम्मेदार गोंडवाना पार्टी के वोटों को जिम्मेदार बता रहे हैं और उनका मानना है की इसीलिए हार हुई लेकिन कार्यकर्ताओं का कहना है की जिम्मेदारों के कारण हार हुई। जिन्हे जिम्मेदारी मिली थी उन्होंने किसी को विश्वास में नहीं लिया एकला चलने के चक्कर में पार्टी प्रत्याशी को उन्होंने चुनाव में हार का स्वाद चखने मजबूर कर दिया। अब अपनी सीट गवाने के बाद मंत्री दो जिलाध्यक्ष केंद्रीय कार्यालय में घूम रहे हैं पार्टी के और वरिष्ठ पदाधिकारियों से नव निर्वाचित सांसदों से मिलकर उन्हे बधाई दे रहे हैं।अब यह भी कहा जा रहा है की वह किस मुंह से वहां पहुंचे हैं,कार्यकर्ता जहां उदास है वहां मंत्री और दो जिलाध्यक्ष जश्न में डूबने की बजाए अपने अपने क्षेत्र में समीक्षा करते तो ज्यादा बेहतर होता और इसी वर्ष के पंचायत चुनाव के दौरान वह कारगर होता लोगों का यह कहना है।

अपने अपने जिले में कार्यकर्ताओं के साथ करनी थी समीक्षा बैठक, हार के कारणों पर करना था मंथन लेकिन हार कर भी उत्साह प्रदर्शन करते आए नजर

कोरिया जिला और एमसीबी जिला दो ऐसे जिले हैं जिनके जिलाध्यक्ष अपने अपने जिले से भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी को सरकार प्रदेश में रहते हुए नहीं जीता पाए। ऐसा क्यों हुआ किस कारण हुआ चार महीने में क्यों जनता क्षेत्र की पार्टी से विमुख हुई यह एक बड़ा चिंतन था पार्टी के लिए जिलाध्यक्षों के लिए जो उन्हे करना था क्योंकि पूरे प्रदेश में कोरबा लोकसभा प्रत्याशी की ही हार हुई थी। हार के बाद जिलाध्यक्षों को कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा करनी थी की क्यों हुआ आखिरकार ऐसा और आगे पार्टी मजबूत हो इसको लेकर उन्हे प्रतिबद्धता अपनी कार्यकर्ताओं के साथ जाहिर साबित करनी थी लेकिन जिलाध्यक्षों ने ऐसा करने की बजाए दिल्ली जाना जरूरी समझा और दोनों दिल्ली में शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल नजर आए। जब चिंतन और मनन सहित पुनः एकजुटता स्थापित करने कार्यकर्ताओं को विश्वास में लेने साथ ही मतदाताओं के बीच पुनः विश्वास कायम करने का समय था जिलाध्यक्ष दोनों जश्न सरकार गठन में शामिल नजर आए और जिसका बखान सोशल मिडिया में करते नजर आए।

श्रेय में अपना नाम दोष में कार्यकर्ता का नाम जिलाध्यक्ष की है नीति,कार्यकर्ता इसलिए पार्टी से हो रहा दूर

कोरिया जिला भाजपा अध्यक्ष की नीति है की जब श्रेय की बात आए वह अपना नाम आगे कर देते हैं और जब कोई दोष समाने आता है वहां कार्यकर्ता का नाम वह बढ़ा देते हैं।उनकी यही आदत अब पार्टी को कमजोर कर रही है जिले में और अब पार्टी कार्यकर्ता पार्टी से विमुख हो रहा है। लोकसभा की हार के बाद कार्यकर्ता और उदास हुआ है क्योंकि कार्यकर्ताओं का मानना है की संसाधन मिलने के बावजूद उन्हें संसाधन प्रदान नहीं किया गया और अभाव में वह बेहतर कार्य न कर सके और प्रत्याशी की हार हुई,वैसे कुछ का कहना यह भी है की खेला हुआ और प्रत्याशी को निपटाया गया।

खुद नैतिकता दिखाते हुए पद का करेंगे त्याग या पार्टी दिखाएगी बाहर का रास्ता,इनके हटते ही भाजपा होगी मजबूत

भाजपा कोरिया और एमसीबी जिले के जिला अध्यक्षों को खुद हटाएगी या वह नैतिकता के आधार पर हार की जिम्मेदारी लेकर स्तीफा देंगे यह देखने वाली बात होगी।वैसे कार्यकर्ताओं की माने तो उनका मानना है की कोरिया एमसीबी में भाजपा के जिलाध्यक्ष दोनों जगहों से रह चुके हैं फिलहाल अलग अलग जिला होने से अलग अलग जिलाध्यक्ष हैं,पहले के जिलाध्यक्ष पार्टी के लिए लाभदायक साबित होते थे क्योंकि उनकी कार्यप्रणाली बेहतर थी वह कार्यकर्ताओं के साथ सामंजस्य बनाकर चलते थे वहीं वर्तमान के दोनो कार्यकर्ताओं से दूरी बनाए रखने में ही दिमाग लगाए रहते हैं। वैसे इनकी एकला चलो की नीति का नुकसान भाजपा को हो चुका है और अब आगे न हो इसलिए इनका हटना जरूरी है यह कार्यकर्ता दबी जबान में कह रहा है।

तस्वीर साझा कर खुद को श्रेष्ठ साबित करने में लगे हैं जिला भाजपा अध्यक्ष,जबकि पार्टी का अपने कार्यकाल में कर चुके हैं बंटाधार

कोरिया जिला भाजपा अध्यक्ष आजकल सोशल मिडिया में छाए हुए हैं और यह प्रयास वह खुद कर रहे हैं तस्वीर साझा करके।तस्वीर साझा करके जिसमे वह हमेशा बड़े नेताओं के साथ ही नजर आते हैं की वह श्रेष्ठ हैं पार्टी के सबसे वरिष्ठ हैं।खुद की श्रेष्ठता साबित करने के चक्कर में वह पार्टी का बंटाधार कर चुके हैं और लोकसभा चुनाव परिणाम उसका उदाहरण है।पार्टी के जिलाध्यक्ष को आम कार्यकर्ताओं के साथ भेंट मुलाकात की तस्वीर खींचकर साझा करनी चाहिए जिससे उनका मनोबल ऊंचा हो वहीं जिलाध्यक्ष कोरिया कार्यकर्ताओं से दूर रहते हैं बड़े नेताओं के करीब उन्हे ज्यादा आनंद मिलता है। पार्टी का बंटाधार इसीलिए जिले में हुआ है क्योंकि जिलाध्यक्ष वहीं शामिल होते हैं सहज रहते हैं जहां उन्हे बड़े लोगों का सानिध्य मिलता है आम लोगों और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी असहजता यह बताती है की वह आम नहीं खास हैं और खास ही बड़े ही लोग उन्हे पसंद हैं।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी रही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ एक भी तस्वीर नही नजर आई जिलाध्यक्ष की-

कोरबा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थीं जिन्हें भाजपा की आंतरिक रूप से संगठन में व्याप्त कमियों के कारण हार का मुंह देखना पड़ा। कोरिया जिला भाजपा अध्यक्ष इस बीच नई केंद्रीय सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होने पहुंचे और जहां उन्होंने जमकर फोटोग्राफी कराई और जिसे वह अब सोशल मिडिया पर साझा कर रहे हैं।जिलाध्यक्ष का इस बीच एक भी फोटो हारी हुई प्रत्याशी के साथ नजर नहीं आई न उनसे मुलाकात का कोई जिक्र ही जिलाध्यक्ष ने किया है कहीं। बता दें की भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं कोरबा से हार चुकी भाजपा प्रत्याशी ऐसे में उनका कद अभी छोटा नहीं हुआ है पार्टी में और उनसे दिल्ली जाकर भी कार्यक्रम के दौरान न मिलना जिलाध्यक्ष का बताता है की उन्हे चुनाव में निपटाया गया है न की उनकी हार हुई है।

यू ट्यूबर जैसा नजर आया सोशल मडिया पर कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष का दिल्ली दौरे का व्याख्यान,एंट्री पास की तस्वीर भी डालना नहीं भूले जिलाध्यक्ष-

भाजपा जिलाध्यक्ष कोरिया का सोशल मिडिया एकाउंट देखने के बाद एक बात ही लोगों के जबान से निकल रही है की जिलाध्यक्ष किसी यू ट्यूबर जैसा अकाउंट चलाते नजर आए दिल्ली दौरे के दौरान शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान और उन्होंने उस एंट्री पास की भी तस्वीर साझा कर दी सोशल मिडिया पर जो उन्हे शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जारी हुई थी। बता दें की कई तस्वीरों को उन्होंने साझा किया है।वैसे उन्होंने अपने साथ कई बड़े नेताओं की भी तस्वीर साझा की जिसमें स्वास्थ्य मंत्री प्रदेश सरकार और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के साथ की उनकी तस्वीर शामिल है। जिलाध्यक्ष ने पूरी तरह सोशल मीडिया पर साबित किया है की वह आमंत्रण पाने में वाले गिने चुने लोगों में से एक हैं और वह खास हैं जिले के अन्य भाजपाइयों से।

राजपुर में नियमों को ताक पर रख कर धड़ल्ले से संचालित हो रही है दर्जनों क्रेशर

खबरों के प्रकाशन के बाद प्रशासन एक बार तो नींद से जाग जाती है फिर शो जाती है-

इस प्रकार के खबरों के प्रकाशन के बाद प्रशासन एक बार तो नींद से जाग जाती है लेकिन इसको रोकने का स्थाई कोई ठोस कदम उठाने में नाकाम रही है संबंधित अधिकारी दिखावा मात्र के लिए कुछ वाहनों और क्रेशर संचालकों पर कार्रवाई कर खाना पूर्ति कर अपने काम को अंजाम देते हैं लेकिन कुछ समय पश्चात सभी चीजें समान होते नजर आती है अब देखनेवाली बात होगी कि इस खबर के प्रकाशन से बाद प्रसाशन किस प्रकार की कार्रवाई करती है या नही? वैसे यह माना जा रहा है की कार्यवाही नहीं होगी क्योकि कार्यवाही हुई तो अधिकारी के घर की जरूरते कैसे पूरी होगी।

आरटीओ, माईनिंग और पुलिस बने मुख्य दर्शक

-भूपेन्द्र सिंह-
राजपुर,13 जून 2024
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में लगभग दर्जनों क्रेशर संचालित हो रहे हैं इन क्रेशरों में खपने वाले पत्थर कहां से और कैसे लाया जा रहा है इसको देखने व जानकारी लेने वाला कोई नहीं है। हम यह बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इन क्षेत्रों में कई खदान बगैर लीज व पुराने लीज जिसकी समय सीमा समाप्त हो चुकी है धड़ले से संचालित हो रही है। इस प्रकार के खदान पूरी तरह से अधिकारियों के मेहरबानियो पर चलाए जा रहे हैं। आरोप यह भी है कि संबंधित अधिकारी इसके लिए हर महीने वसूली कर अपनी जेब भर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार राजपुर के डिगनगर, बधिमा,बरियों,ग्राम पंचायत नवकी सरनापारा,ग्राम पंचायत लडुवा ऊपरपारा सहित कोटागहना में क्रेशर का संचालन किया जा रहा है जो इन क्षेत्रों में संचालित कई क्रेशरों में पर्यावरण,स्वास्थ्य,विद्युत,खदानों के लीज, विस्फोटक भंडारण करने का सुरक्षित स्थल आदि के जांच हेतु पूर्व में राजपुर व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश के द्वारा टीम गठित कर निर्देश दिए गए थे परंतु उनका अन्यत्र स्थानांतरण कर दिये जाने के बाद उस आदेश को ठंडा बस्ते में डाल दिया गया है। आज भी संचालित क्रेशर के संचालकों द्वारा मनमानी किया जा रहा है। क्षेत्र में संचालित क्रेशरों द्वारा गिट्टी रोजाना छत्तीसगढ़ से बिहार,झारखंड और उत्तर प्रदेश में भेजा जाता है। गिट्टी के सप्लाई में क्रेशर संचालक ज्यादातर हाईवा वाहन का प्रयोग किया करते हैं। संचालक छत्तीसगढ़ से बिहार,झारखंड और उत्तर प्रदेश भेजने के लिए फर्जी तरीके से बगैर पीट पास और बीना नंबर प्लेट वाले हाईवा वाहन से आरटीओ और संबंधित पुलिस थानों से सांठगांठ कर रोजाना सैकड़ो गाड़ी गिट्टी सप्लाई किया करते हैं, सभी संचालक अपने-अपने हिसाब से अपनी वाहनों की सूची आरटीओ और संबंधित थानों में जमा कर दिए हैं जिसका कमीशन हर महीने उनके पास भेज दिया जाता है, आपको बता दें कि हर रोज गिट्टी लोड वाहन अंबिकापुर से रामानुजगंज मार्ग व कुसमी मार्ग में बेधड़क दौड़ते देखा जा सकता है और इनमें लगभग अधिकांश वाहन अपने क्षमता से अधिक अर्थात ओवरलोड भेजे जाते हैं साथ ही एक पीठ पास से के माध्यम से वाहन कई ट्रिप गिट्टी सप्लाई कर लेता है जिसकी जांच किसी भी थाने व नाके में नहीं किया जाता इस प्रकार के कार्यों से रोजाना भारत सरकार व प्रदेश सरकार को करोड़ों रुपए की राजस्व की नुकसान हो रही है। इन क्षेत्रों में शाम होते ही ब्लास्टिंग किया जाता जिससे आसपास के रहवासियों को बेहद परेशानी होती है आए दिन यहां के लोग भय के साए में जिवन यापन कर रहे हैं,ब्लास्टिंग से कब उनका घर गिर जाए उसे उनको भी कोई अंदेशा नही है कई लोग तो इस भय से उस ईलाके को छोड़ कर अन्यत्र पलायन कर चुके हैं। इसके अलावा क्रेशर से उड़ने वाले धुल से खांसी और टीवी जैसे बिमारियों से ग्रसित हो चुके हैं, इससे निकने वाले धुल तो बच्चे,बुढ़े और गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रही है।

नियम के अनुसार संचालकों को कराना होता हैं काम

क्रेशर संचाकों को क्रेशर व खदान के चारो तरफ सुरक्षा के लिए फेंसिंग करना अनिवार्य है, क्रेशर से धूल न निकले इसके लिए क्रेशर के हॉपर में पानी डाला जाना चाहिए और क्रेशर का गिट्टी चलनी बंद होनी चाहिए, ताकि धूल न निकले लेकिन ऐसा नही किया जा रहा है। इन संचालकों द्वारा पौधरोपण करना अनिवार्य है ताकि प्रदुषण को कम किया जा सके, क्रेशर और पत्थर खदानों के मालिक प्रदुषण रोकने के लिए पौधे लगाने की बात तो दूर उनके द्वारा जंगल की जमीन पर कब्जा कर वहां खदानों से निकलने वाले मलबा को डंप किया जा रहा है और पेड़ पौधे बर्बाद हो रहें हैं। इससे कई एकड़ जंगल खत्म हो रही है वहीं पत्थर निकालने के लिए किये जाने वाले ब्लास्टिंग में भी मनमानी की जा रही है और अचानक ब्लास्टिंग से लोग सहम जा रहें हैं तो क्रेशर दिन रात चल रहें हैं जिसकी आवाज़ से भी आसपास के घरों में रहने वाले बच्चे ठीक से पढ़ाई भी नहीं कर पा रहें हैं।

माइनिंग विभाग के साथ मिलकर जांच करेगे-

राजीव जेम्स कुजूर एसडीएम राजपुर ने कहा की संचालित क्रेशरों के अवैध खदानों के संदर्भ में शिकायत आपके द्वारा बताई जा रही है जिसके लिए माइनिंग विभाग के साथ मिलकर जांच की कार्रवाई की जाएगी जांच में अगर किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो उस क्रेशर और क्रेशर संचालक के विरुद्ध विधिसंगत कार्रवाई की जाएगी।

स्थल का जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी-

जिला माईनिंग अधिकारी कुमार मंडावी का कहना है कि राजपुर क्षेत्र में संचालित क्रशरों के खदानो में स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से खुदाई किया जा रहा है जो नियम के विरुद्ध है आपके द्वारा जानकारी दी जा रही है स्थल का जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय विभागों द्वारा किये गए क्रय पर विक्रेता एवं निर्माण कंपनी व ठेकेदारों को किये भुगतानों पर कटौती

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 जून 2024
(घटती-घटना)।

केंद्रीय माल और अधिनियम 2017 एवं छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर अधिनियम 2017 की धारा 51 के प्रावधानों के अनुसार शासकीय विभागों द्वारा की जाने वाले सामग्री खरीदी एवं सेवा प्राप्ति पर प्रदायकर्ताओं को तथा ठेकेदारों को किये जाने वाले भुगतान पर स्त्रोत पर कर की कटौती के संबंध में निम्न प्रावधान है- किसी भी डी.डी.ओ. द्वारा (किसी कराधेय वस्तु या सेवा हेतु) रू. 2.5 लाख से अधिक भुगतान होने पर 2 प्रतिशत (1 प्रतिशत सी जीएसटी,1 प्रतिशत एसजीएसटी अथवा 2 प्रतिशत आई जीएसटी) किया जाना है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सभी शासकीय विभागों तथा स्थानीय प्राधिकारियों को जीएसटी के अंतर्गत स्त्रोत पर कटौतीकर्ता (टीडीएस डिटेक्टर) के रूप में रजिस्ट्रेशन लिया जाना आवश्यक है। विभागों द्वारा खरीदी जाने वाली सामग्री / मशीन उपकरण / फर्नीचर / स्टेशनरी अथवा अन्य कोई भी वस्तु निर्माण कार्यों एवं ठेको तथा लिये जाने वाली किसी भी प्रकार की सेवाओं की राशि पर जीएसटी- टीडीएस करने के पश्चात्वर्ती माह की 10 तारीख तक रिटर्न-जीएसटीआर-07 में प्रस्तुत किया जाना है। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी वस्तु अथवा सेवा प्रदायकर्ता द्वारा एक वित्तीय वर्ष के दौरान एक ही क्रय/सेवा आदेश के विरूद्ध पृथक-पृथक देयकों में राशि का विभाजन करते हुए जीएसटी की स्त्रोत पर कटौती हेतु निर्धारित 2.5 लाख की सीमा का उल्लंघन न हो।

गंगा दशहरा की तैयारी शुरू,छठ तालाब में लगेगा मेला

आयोजन के पूर्व तालाब को किया साफ,हर वर्ष की जाता है आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 जून 2024
(घटती-घटना)।

मोक्षदायिनी माँ गंगा के पृथ्वी पर अवतरण दिवस गंगा दशहरा के पावन पर्व पर रविवार 16 जून को पँचमदिर स्थित दुलही तालाब में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गंगा पूजन व महाआरती का आयोजन किया गया है। आयोजन को लेकर तालाब परिसर की साफ सफाई के साथ व्यापक तैयारियां की जा रही है। पूर्व में यहां गंगा दशहरा का पर्व भव्यता के साथ मनाया जाता था। नगर के बड़खा पारा मोहल्ला स्थित छठ तालाब में इस मौके पर सप्ताह भर भव्य मेला का आयोजन होता था। ग्रामीण क्षेत्रो से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर अपनी धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते थे और ग्रामीण क्षेत्र के महिला पुरुषों दवाइया दशहरा पर्व पर गाये जाने वाले परंपरागत गीतों से शहर गुंजायमान रहता था। मगर धीरे धीरे इस परंपरा पर आधुनिकता का ऐसा रंग चढ़ा की लोग गंगा दशहरा का पर्व मनाना ही लगभग भूल गए और गंगा दशहरा पर लगने वाला भव्य मेला व शहर के हर गली मोहल्लों से गुजरते हुए ग्रामीणों द्वारा

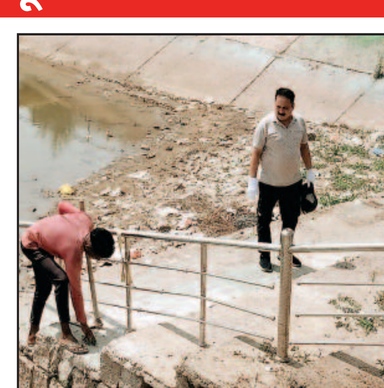

गाये जाने वाले परंपरागत गीतों की गूंज आधुनिकता के इस युग मे गुम हो गई। गुम होती गंगा दशहरा की इस परंपरा को जीवंत परंपरा के रूप में स्थापित करने के लिए विगत 3 वर्षो से सरोवर धरोहर समिति ने बीड़ा उठाया है और नगर पालिका के सहयोग से यह भव्य आयोजन नगर के दुलही तालाब में किया जा रहा है। इस आयोजन में शहर सहित आसपास क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर गंगा पूजन व आरती में शामिल होते है। मान्यता है कि भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महादेव की जटाओं में विराजी माँ गंगा इसी दिन पृथ्वी पर अवतरित हुई थी और भगीरथ के पूर्वजों को मोक्ष प्रदान किया था। तभी से इस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। 16 जून रविवार को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन 5 बजे से दुलही तालाब परिसर में भजन संध्या का आयोजन होगा। ततपश्चात सायं 7 बजे मां गंगा पूजन व महाआरती होगी। पंडित राजेश दुबे बबलू महाराज व उनकी टीम के द्वारा धार्मिक मंत्रोचारण के बीच गंगा पूजन व महाआरती का कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा। आयोजन के लिए दुलही तालाब के तट को नाम के अनुरूप रंगबिरंगी रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। आयोजन भव्य हो इसके लिए नगर पालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल ने प्रवेश गोयल, सुनील अग्रवाल व नगर पालिका टीम के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण किया है। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए पार्षद वीरेंद्र बंसल, पुष्पलता गिरधारी साहू, सरोवर धरोहर समिति के अध्यक्ष चंचलेश श्रीवास्तव, सचिव डॉ रजनीश गर्ग, कन्हैया अग्रवाल सहित अन्य सदस्य लगे हुए है।

आंटे के दियो से जगमगायेगा दुलही तालाब का तट

आयोजन के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखते हुए इस बार तालाब परिसर में आंटे से निर्मित दिया जलाने का निर्णय लिया गया है। धार्मिकता के साथ दुलही तालाब रंगबिरंगी मछलियों के लिए भी जाना जाता है। यहां बड़े पैमाने पर मछलियां है जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मछलियों को दाना देकर अपनी धार्मिक परंपरा का निर्वहन भी करते है। तालाब परिसर की स्वच्छता व मछलियों को ध्यान में रखते हुए तालाब परिसर में आंटे का दिया जलाने का निर्णय आयोजन समिति के द्वारा लिया गया है। ताकि आयोजन के बाद उक्त दिया क् उपयोग मछलियो के भोजन के रूप में हो सके और परिसर भी स्वच्छ रहे। इसके लिए सभी से अपील की गई है कि आयोजन के दौरान प्रज्ज्वलित किये जाने वाले दियो को घर पर आंटे से निर्मित करके ही लाएं।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम संजीव गुप्ता आ0 भागवत प्रसाद गुप्ता निवासी वार्ड नं0 13 राम मंदिर मेन रोड सूरजपुर, थाना, तहसील व जिला-सूरजपुर (छ0ग0) का अपना नाम बदलकर संजीव कुमार गुप्ता रख लिया हैं भविष्य में समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

संजीव कुमार गुप्ता
आ0 भागवत प्रसाद गुप्ता निवासी वार्ड नं0 13 राम मंदिर मेन रोड सूरजपुर थाना तहसील व जिला-सूरजपुर (छ0ग0) 497229

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202405020700253

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2023-24
फुन्दुरडिहारी प.ह.नं.00016(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-ओम प्रकाश गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार-ओम प्रकाश गुप्ता,

ईश्तहार

आवेदक ओम प्रकाश गुप्ता पिता स्व.एस0 एन0गुप्ता निवासी केदारपुर अंबिकापुर तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0के द्वारा ग्राम-फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नं0397/34 रकबा0.016 हे0 भूमि का अपने जीवनकाल में अपनी पुत्री को बटवारा में देने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑ नलाईन ई-नामांतरण पंजी से प्रकरण ई-कोर्ट में स्थानांतरित किया जाता हैं।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28/06/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30/05/2024को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

पुलिस ने अधजली महिला की मिली लाश की गुत्थी को महज 72 घंटे में सुलझाया

-संवाददाता-
कोरबा,13 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिले के कुसमुंडा थाना क्षेत्र में एक अज्ञात महिला के अधजली मिली लाश के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए कहा के दिनांक 09.06.2024 को सूचक जीवन लाल कोटवार ग्राम अमगांव का थाना में सूचना दिया कि एक अज्ञात महिला उम्र लगभग 30 से 40 वर्ष का शव अधजले हालत में सोनदरहा नाला में पड़ा है कि सूचना पर सूचना तस्दीक की गई तथा शव का पंचनामा कार्यवाही उपरांत शव को पीएम हेतु भेजा गया था। पंचयतनामा कार्यवाही के दौरान प्रथम दृष्ट्या मामला हत्या का होना प्रतीत हो रहा था । जिसपर पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा एवं नगर पुलिस

अधीक्षक रविन्द्र सिंह मीणा के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी कुसमुण्डा द्वारा अपने मातहत कर्मचारियों के साथ उक्त मामले में मृतिका की पहचान कार्यवाही हेतु लगातार प्रयास किया गया जो ग्राम सेमरा के तेरस राम कश्यप एवं दशरथ कश्यप ने महिला की शिनाख्त कर अपने बहन राम कुमारी कश्यप पति स्व. रामगोपाल कश्यप उम्र 37 वर्ष सा. सेमरा थाना नवागढ़ जिला जांजगीर चांपा(छ.ग.) के रुप में पहचान किए । विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि मृतिका का विगत 03-04 वर्षो से मनबोध भारद्वाज निवासी बोकरा मुड़ा के साथ प्रेम संबंध चल रहा था। मनबोध अपना घर छोड़कर मृतिका के साथ ही रहता था जो दिनांक 08.06.2024 को मृतिका को लेकर कटघोरा कोरबा तरफ आया था । जानकारी प्राप्त होने पर संदेही मनबोध भारद्वाज की तलाश की गई जो मड़वा पावर प्लांट में मिला। जिसे तलब कर लाकर पूछताछ करने पर पहले तो इधर उधर की बातें कर पुलिस को गुमराह करते रहा कि हिकमतअमली से पूछताछ करने पर जुर्म करना स्वीकार किया और बताया कि विगत 04-05 वर्षो से वह राम कुमारी कश्यप से प्रेम करता रहा है चूंकि मनबोध पहले से शादीशुदा था तथा उसकी पत्नि का कुछ साल पहले मृत्यू हो गई है घर में बच्चे हैं जो मृतिका इस पर दबाव बनाती थी कि तुम यहीं रहो घर जाने की आवश्यता नही है जिससे आरोपी काफी खिन्न होकर रामकुमारी की हत्या करने योजना बनाने लगा। इसी कड़ी में दिनांक 08.06.2024 को अपने मोटर सायकल प्लेटिना क्र. सीजी 11 एजी 4175 में राम कुमारी को बैठाकर कटघोरा तरफ लेकर जा रहा था कि सर्वमंगला शराब भट्ठी से शराब लेकर वापस हो गया और रास्ते में घटनास्थल के पास बैठकर दोनो ने शराब पी और वहीं पर दोनो के बीच विवाद हो गया तब गुस्से में आकर मृतिका के गमछा से ही राम कुमारी का गला घोंटकर हत्या कर दिया तथा मृतिका पहने हुए सोने चांदी के आभूषण निकाल कर तथा उसका मोबाईल लेकर चला गया एवं मृतिका के पहचान को छिपाने के लिये अपने मोटर सायकल से पेट्रोल निकालकर शव को जलाया था। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक रुपक शर्मा, स.उ.नि. रफिक खान, सउनि राकेश गुप्ता, प्र.आर. 327 झाडूराम साहू, म.प्र.आर. 232 किरण केरकेट्टा, आर. 507 अमर दिवाकर, आरक्षक 616 महेन्द्र चन्द्रा, आरक्षक 486 धीरज पटेल, आरक्षक 852 लेखराम धीरहे व आरक्षक 716 खगेश्वर साहू की मुख्य भूमिका रही।

न्यायालय तहसीलदार पटना जिला-कोरिया(छ0ग0)

-::ईश्तहार::-

एतद् द्वारा समस्त ग्रामीण जनता ग्राम पटना को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक मानकंवर आ0 हरिनंदन जाति अहीर निवासी ग्राम- पटना तहसील पटना जिला-कोरिया छ0ग0द्वारा उपस्थित होकर अपने पति स्व0राम प्रसाद के जन्म/मृत्यु दिनांक 15/04/1987 प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया हैं जिस पर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को उक्त जन्म /मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के जरिये दिनांक 21/06/24तक उपस्थित होकर अपना आपत्ति कर सकता हैं नियत तिथि के बाद प्राप्त / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 06.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार पटना,कोरिया (छ0ग0)

NAME CHANGE

I SANJEEV KUMAR-GUPTA S/O BHAGWAT PRASAD GUPTA Resident of WARD NO 13 NEAR RAM MANDIR MAIN ROAD SURA-JPUR CHHATTISGARH 497229
Hereby declare that have changed my name from SANJEEV KUMAR GUPTA S/O Bhagwat Prasad Gupta. In all the Government approved identity Prooofs to be used for verious purposes in the future.

DEPONENT
SANJEEV KUMAR GUPTA S/O BHAGWAT PRASAD GUPTA
WARD NO 13 NEARRAM MANDIR MAIN ROAD SURJPUR CHHATTIS-GARH 497229

संक्षिप्त खेल समाचार

सुपर आठ चरण में कुलदीप यादव भारत के पसंदीदा स्पिनर होंगे:चावला

मुंबई,13 जून 2024। पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला का मानना है कि जब भारतीय टीम कैरेबियाई टी 20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में भाग लेगी तो कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भारत के पसंदीदा विशेषज्ञ स्पिनर होंगे।सुपर आठ चरण में कुलदीप यादव भारत के पसंदीदा स्पिनर होंगे पीयूष चावलाभारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में कठिन बल्लेबाजी परिस्थितियों में तीनों मैच जीते और अब सुपर आठ चरण से पहले फ्लोरिडा के लॉडरहिल में अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में कनाडा से भिड़ेगा।

चावला ने कहा कि हालांकि न्यूयॉर्क की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजी के अनुकूल नहीं थीं, लेकिन भारतीय स्पिनर अब टूर्नामेंट में खेलेंगे। भारत के पास कुलदीप, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा के रूप में चार स्पिन गेंदबाजी विकल्प हैं।चावला ने गुरुवार को यहां आईआईएसएम दीक्षांत समारोह के अवसर पर मीडिया से कहा, न्यूयॉर्क की पिच काफी जोखिम भरी थी और जिस तरह से भारत ने उस पिच पर प्रदर्शन किया तथा तीन में से तीन मैच जीते, उससे आगे बढ़ने की काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

शाकिब अल हसन को बांग्लादेश के लिए खेलना होगा

करांची,13 जून 2024। यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि शाकिब अल हसन ने टी20 विश्व कप 2024 में बांग्लादेश के लिए बेहद धीमी शुरुआत की है। ऑलराउंडर खिलाड़ी फॉर्म में नहीं है और यह अंततः बहु-राष्ट्र प्रतियोगिता के सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करने के लिए उनकी टीम के मौके को बाधित कर सकता है। काफी समय तक ऑलराउंडरों की आईसीसी रैंकिंग पर राज करने वाले शाकिब हाल ही में नंबर 5 पर खिसक गए और यह किसी भी तरह से टाइगर्स के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। टी20 में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों में से एक शाकिब श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ एक भी विकेट नहीं ले पाए। इससे पहले, ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के दिग्गज खिलाड़ी के साथ खिलवाड़ किया और एक ही ओवर में 3 छक्के लगाए।

शाकिब ने बल्ले से भी काफ़ी निराश किया है और 8 और 3 रन बनाए हैं। न्यूयॉर्क की पिचों ने तेज़ गेंदबाज़ों को काफ़ी हद तक मदद की, लेकिन शाकिब परिस्थितियों का फ़ायदा उठाने में विफल रहे।

आईसीसी टी 20 के तहत अमेरिका और आयरलैंड के बीच मैच आज

» अमेरिका और आयरलैंड के मुकाबला पर पाकिस्तान की रहेगी नजर

फ्लोरिडा,13 जून 2024। घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाली अमेरिका की टीम शुक्रवार को आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रूप ए के अहम मुकाबले में आयरलैंड का सामना करेगी तब इस मैच के परिणाम पर पाकिस्तान की भी नजर होगी। अमेरिका के तीन मैचों में चार अंक है और इस मुकाबले के जीतकर उसके पास सुपर आठ में पहुंचने का सुनहरा मौका है। इससे 2009 की चैम्पियन पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जायेगी। पाकिस्तान को हराने के बाद भारत को कड़ी टक्कर देने वाले अमेरिका के लिए हालांकि यह आसान नहीं होगा क्योंकि आयरलैंड की टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं। यह टीम शुरुआती दो मैचों में मिली हार को पीछे छोड़कर जीत की राह पर लौटने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगायेगी।

आयरलैंड के बल्लेबाजों ने भारत और फिर कनाडा के खिलाफ न्यूयॉर्क में काफी खराब बल्लेबाजी की है। फ्लोरिडा की पिच हालांकि बल्लेबाजी के लिए आसान है और ऐसे में मैच में बड़ा स्कोर देखने को मिल सकता है। अमेरिका के लिए हालांकि नियमित कप्तान मोनाक पटेल की वापसी राहत की बात होगी जो चोट के कारण भारत के खिलाफ नहीं खेल सके थे। इस मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है और मैच रद्द होने पर पाकिस्तान की टीम सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो जायेगी। इस स्थिति में अमेरिका के पांच अंक हो जायेंगे और पाकिस्तान अधिकतम चार अंक तक ही पहुंच पायेगा।

टीमें अमेरिका:- मोनाक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नीतीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

आयरलैंड:- पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग मैच भारतीय समयानुसार रात आठ बजे शुरू होगा।

24 जून को टकराएंगे भारत और ऑस्ट्रेलिया

न्यूयार्क 13 जून 2024। बीते बुधवार को टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप में अपने तीसरे ग्रूप ए गेम में यूएसए को हराया। जिसके बाद टीम ने सुपर-8 चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नासाउ काउंटी के तेज गेदंबाजों की मददगार विकेट पर केवल 111 रनों का पीछा करते हुए भारत ने 18.2 ओवर में सात विकेट रहते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया है। वहीं, भारतीय टीम सुपर-8 राउंड में अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला

डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम सैंट लुसिया में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मैच 24 जून को भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा। दरअसल, भारत को पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा और आयरलैंड के साथ ग्रूप ए में रखा गया है। वहीं टीम इंडिया को शनिवार को कनाडा के खिलाफ अपना मुकाबला खेलना है। वहीं लगातार तीन जीत के बाद टीम इंडिया 3 मैचों में 6 प्वाइंट्स के साथ टॉप पर काबिज है।जबकि ऑस्ट्रेलिया ग्रूप-बी में 3 मैचों में 6 प्वाइंट्स के साथ पहले नंबर पर बना हुआ है। अब तक भारत ने आयरलैंड के अलावा पाकिस्तान और अमेरिका को हराया है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने ओमान के अलावा इंग्लैंड और नामीबिया को शिकस्त दी है।

वेस्टइंडीज टीम ने सुपर 8 के लिए किया क्वॉलिफाई

» न्यूज़ीलैंड पर लटकी तलवार

न्यूयार्क,13 जून 2024। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में एक और टीम पहुंच गई है। साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद अब वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर 8 के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। त्रिनिदाद में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को मात दी। इसी के साथ टूर्नामेंट की मेजबान टीम ने ग्रुप सी से सुपर 8 में जगह बना ली है। जबकि न्यूजीलैंड टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने की तलवार लटक रही है। कीवी टीम के पास सुपर-8 में पहुंचना लगभग नामुमकिन हो गया है। हालांकि, थोड़े बहुत चांस टीम के सुपर 8 में पहुंचने के अभी भी बाकी हैं। लेकिन इसके लिए न्यूजीलैंड को पहले तो अपने दोनों बचे हुए मैच जीतने होंगे और फिर बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं, अगर अफगानिस्तान ने शुक्रवार 14 जून को पापुआ न्यू गिनी को हरा दिया तो न्यूजीलैंड आधिकाकिरक तौर पर टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

सुपर-8 के क्वॉलिफिकेशन के नजरिए से ग्रुप सी की पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो वेस्टइंडीज की टीम तीन मैचों में जीत दर्ज करके सुपर-8 में पहुंच गई है। वहीं, अफगानिस्तान, युगांडा, पापुआ न्यू गिनी और न्यूजीलैंड में से कोई एक टीम इस ग्रुप से सुपर 8 के लिए पहुंचेगी। मौजूदा समय में अपगानिस्तान के सुपर 8 में पहुंचने के चांस ज्यादा हैं, क्योंकि टीम का एक मुकाबला कमजोर पापुआ न्यू गिनी से है, जो दो मुकाबले पहले ही हार चुकी है। इसके अलावा एक मैच वेस्टइंडीज से है। वहीं, युगांडा, पीएनजी और न्यूजीलैंड का नेट रन रेट बहुत ही बेकार है। ऐसे में अगर अफगानिस्तान की टीम अपने दोनों मैच करीबी अंतर से हार भी जाएगी तो भी सुपर 8 में पहुंच सकती है।

त्रिनिदाद में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाए थे। यहां तक की टीम के 9 विकेट 18वें ओवर में ही गिर गए थे। उस समय टीम का स्कोर महज 112 रन था, लेकिन शेरफन रदरफोर्ड ने आखिरी दो ओवरों में अकेले 37 रन बनाए और मैच पलट दिया था। वहीं, जब न्यूजीलैंड की टीम 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन बना सकी और मुकाबला 13 रनों से हार गई। कीवी टीम की ये इस टूर्नामेंट में दूसरी हार है। टीम का नेट रन रेट पहले से ही खराब है। ऐसे में टीम अपने दम पर सुपर 8 के लिए क्वॉलिफाई नहीं कर पाएगी। कीवी टीम के टॉप ऑर्डर ने एक बार फिर से निराश किया है जबकि टीम के पांच विकेट 63 रन पर ही गिर गए थे।

लियोनेल मेसी ने कहा,इंटर मियामी मेरा आखिरी क्लब होगा

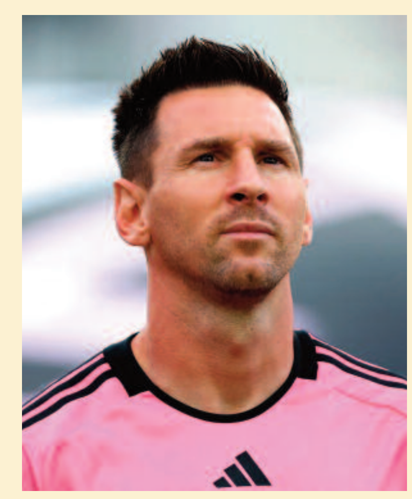

बार्सिलोना,13 जून 2024। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अपने देश अर्जेंटीना के किसी क्लब से जुड़कर खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है और उन्होंने कहा कि इंटर मियामी उनका अंतिम क्लब होगा।

अर्जेंटीना के कप्तान ने ईएसपीएन से कहा,''मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा अंतिम क्लब होगा। आज की तारीख में मैं यही सोचता हूं कि यह मेरा अंतिम क्लब होने जा रहा है।''

मेसी अमेरिका में अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ कोपा अमेरिका की तैयारी कर रहे हैं। अर्जेंटीना इस टूर्नामेंट का पिछ्ला चैंपियन है। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना ने 2022 में कतर में विश्व कप जीता था।बार्सिलोना के पूर्व स्टार मेसी का इंटर मियामी के साथ अनुबंध 2025 के सत्र के समापन तक है। उन्होंने कहा,''यूरोप से यहां आने का फैसला मुश्किल था। विश्व चैंपियन बनने से बहुत मदद मिली, और चीजों को अलग तरह से देखने का मौका भी मिला। लेकिन मैं इस बारे में नहीं सोचता। मैं खेल का आनंद लेने का प्रयास करता हूं।'' अर्जेंटीना के कई प्रशंसकों को उम्मीद थी कि मेसी अपने पहले क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज़ की तरफ से खेलकर अपने करियर का अंत करेंगे।

दिलजीत दोसांझ ने अपनी मैरिड लाइफ को लेकर क्यों छुपायी सच्चाई?

दिलजीत दोसांझ के निजी जीवन के बारे में बहुत कम जानकारी है, गायक-अभिनेता ने अपने पारिवारिक जीवन को निजी रखने के अपने फैसले पर कायम हैं। उनकी शादी और निजी जीवन को लेकर कई अफ़वाहें उड़ी हैं, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि पंजाबी स्टार शादीशुदा हैं और संभवतः उनका एक बच्चा भी है। हालाँकि, उन्होंने न तो इन मामलों की पुष्टि की है और न ही खुलकर चर्चा की है। हाल ही में, उनके पंजाबी सह-कलाकार और गायक -अभिनेता एमी विर्क ने अपनी आगामी फिल्म कुड़ी हरियाणा वल दी के प्रचार के दौरान अपने विचार साझा किए और दिलजीत के अपनी शादी को निजी रखने के फैसले का समर्थन किया।

दिलजीत दोसांझ के परिवार और विवाहित जीवन पर एमी विर्क ने क्या कहा?

एमी विर्क ने कहा कि कोई भी किसी को नहीं रोक सकता। उन्होंने उल्लेख किया कि दिलजीत के दृष्टिकोण से, यह उनका निजी मामला है जिसमें उनका परिवार शामिल है, और कोई कारण अवश्य होगा कि उन्होंने उन्हें सार्वजनिक रूप से पेश नहीं किया। एमी ने यह भी खुलासा किया कि उनकी खुद की एक पत्नी और एक बेटी है, जिन्हें वह लोगों की नज़रों से दूर रखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनकी पहचान किसी को पता चले। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वर्तमान में, वे बिना किसी को पता लगे कि वे उनके या दिलजीत के परिवार के सदस्य हैं, स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं। एमी विर्क ने चिंता व्यक्त की कि अगर उनकी पहचान उजागर हो गई, तो उनके परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि वे ऐसे पेशे में हैं, जहाँ उनके न केवल प्रशंसक हैं, बल्कि कुछ अन्य मुद्दे भी हो सकते हैं, शायद कुछ दुश्मनी हो और परिवारों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, अभी के लिए, वे बाज़ार या जहाँ भी किसी की परवाह नहीं है, जा सकते हैं। अगर लोगों को पता चल गया, तो उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। एमी ने वैश्विक स्तर पर भारत को गौरव दिलाने के लिए दिलजीत दोसांझ की प्रशंसा की और विश्वास व्यक्त किया कि गायक एक दिन ऑस्कर या ग्रैमी हासिल करेगा। उन्होंने टिप्पणी की कि गायक ने लगभग 24 वर्षों में बहुत अधिक प्रयास किया है, जिसमें अपार साहस और समर्पण का परिचय दिया है।

एमी ने कहा कि दिलजीत की उपलब्धियाँ अनायास नहीं थीं, बल्कि उन्होंने उनकी लंबे समय से चली आ रही तैयारी, व्यापक संगीत सूची और शक्तिशाली मंच उपस्थिति पर जोर दिया। एमी ने दिलजीत के भविष्य के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि संगीत और फिल्म में उनके वर्तमान प्रयास आने वाली बड़ी सफलताओं की शुरुआत मात्र हैं। काम के मोर्चे पर, दिलजीत दोसांझ को आखिरी बार इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में परिणीति चोपड़ा और क्रू के साथ करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सनोन के साथ देखा गया था। इसके बाद, अभिनेता नीरू बाजवा के साथ अपनी अगली फिल्म जट्ट एंड जूलियट 3 की रिलीज़ की तैयारी कर रहे हैं।

तलाक की अफवाहों के बीच निखिल पटेल के पास वापस लौट गयी दलजीत कौर

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री दलजीत कौर ने एनआरआई व्यवसायी निखिल पटेल से शादी कर ली है। दलजीत के अपने बेटे जेडन के साथ भारत लौटने के बाद दोनों के बीच तलाक की अफवाहों की वजह से यह खबर चर्चा में है। दलजीत के अपने पति निखिल से अलग होने की खबर ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। केन्या जाने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ लोग दलजीत कौर काफी ज्यादा उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि दलजीत आपको अपना आत्मसम्मान बरकरार रखना चाहिए। एक दूसरे यूजर ने लिखा कि निखिल ने आपको कितना गलत बोला, आप उसके पास कैसे वापस जा सकती हो।

सब के बीच दलजीत कौर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर केन्या से अपनी गर्ल स्क्वाड की एक तस्वीर शेयर की। दलजीत के पति निखिल जो केन्या में रहते हैं, ने दलजीत की सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनकी टीम ने दलजीत से संपर्क किया था कि वह उनके घर से उनका सामान ले जाए, नहीं तो वह उसे दान में दे देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह उनकी सहमति के बिना उनके विवाह समारोह की तस्वीरें और वीडियो फुटेज शेयर करने के लिए उन पर कानूनी कार्रवाई करेंगे।

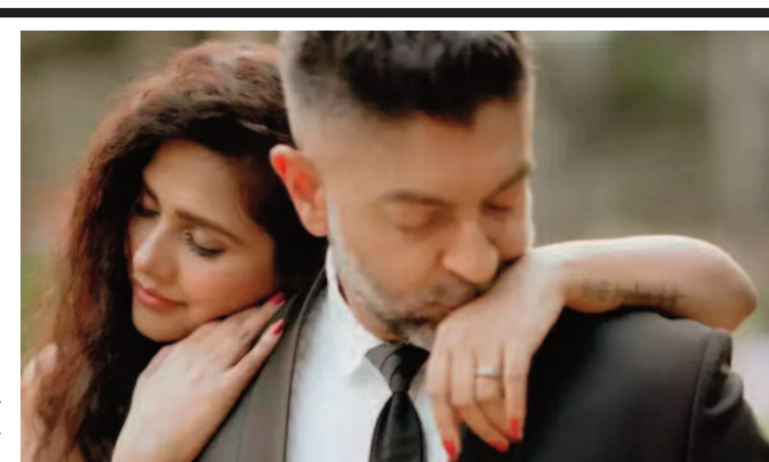

दलजीत कौर केन्या लौटीं?

मंगलवार को दलजीत ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक फोटो शेयर की जिसमें वह पीले रंग की ड्रेस में दिख रही थीं और अपने दोस्तों के साथ एक रेस्टोरेंट में मस्ती करती नजर आ रही थीं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, जब आप अपनी गर्ल स्क्वाड से मिलते हैं... दलजीत ने निखिल पर विवाहेतर संबंध रखने का आरोप लगाया और निखिल ने उन पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

दलजीत की शादी पहले शालीन भनोट से हुई थी, लेकिन 2015 में शालीन भनोट पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाने के बाद दोनों अलग हो गए। उनका एक बेटा है जिसका नाम जेडन है।

सुनील शेट्टी से लेकर सनी देओल तक, क्लासिक कल्ट का हर किरदार था बेहद खास

जेपी दत्ता की प्रतिष्ठित मल्टी-स्टारर युद्ध फिल्म बॉर्डर ने सिनेमाघरों में अपनी रिलीज के 27 साल पूरे कर लिए हैं। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सेट की गई यह फिल्म लोंगेवाला की लड़ाई की घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म 13 जून, 1997 को रिलीज हुई थी, जिसे आलोचकों से सकारात्मक समीक्षा मिली और इसकी कहानी, निर्देशन, गाने और अभिनेताओं के अभिनय के लिए आलोचकों की प्रशंसा मिली। फिल्म में सनी देओल, जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी, अक्षय खन्ना पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, पूजा भट्ट, तब्बू, राखी और सुदेश बेरी ने प्रमुख भूमिकाएँ निभाई थीं। फिल्म की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर, आइए इसके मुख्य अभिनेताओं के तब और अब के संस्करण पर एक नज़र डालते हैं।

सनी देओल

फिल्म में सनी देओल ने मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी की भूमिका निभाई थी, जिन्होंने 23वीं बटालियन पंजाब रेजिमेंट की एक कंपनी की कमान संभाली थी, जिसमें सिर्फ़ 120 सैनिक थे।

जैकी श्रॉफ

अभिनेता ने बॉर्डर में विंग कमांडर एंडी बाजवा की भूमिका निभाई थी। फिल्म में, वह क्लाइमेक्स में 23वीं बटालियन पंजाब रेजिमेंट को बचाने के लिए आता है, क्योंकि वह और उसका टीम अधिकारी तब तक पोस्ट की रक्षा नहीं कर पाते, जब तक कि प्रकाश की पहली किरण नहीं आ जाती।

सुनील शेट्टी

सुनील ने सीमा सुरक्षा बल के सहायक कमांडेंट भैरों सिंह की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनका लोकप्रिय संवाद ये धरती मेरी मां है आज भी फिल्म के प्रशंसकों के बीच याद किया जाता है।

अक्षय खन्ना

अभिनेता ने दूसरे लेफ्टिनेंट धरमवीर सिंह भान की भूमिका निभाई, जो हाल ही में सेना में शामिल हुए हैं। बॉर्डर में अपनी भूमिका के लिए, अक्षय ने सर्वश्रेष्ठ पुरुष पदार्पण श्रेणी के तहत फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीता।

पूजा भट्ट

पूजा ने कमला सोढ़ी की भूमिका निभाई, जो धरमवीर की मंगेतर है। फिल्म का एक गाना हमें जब से मोहब्बत हो गई है जिसमें अक्षय खन्ना भी हैं, सबसे पसंदीदा रोमांटिक गानों में से एक है।

प्रभास ने तोड़ा राम चरण और जूनियर एनटीआर का ये बड़ा रिकॉर्ड

प्रभास द्वारा निर्देशित फिल्म कल्कि 2898 एडी की रिलीज आखिरकार पक्की हो गई है। यह एक साइंस फिक्शन फिल्म है जिसमें भरपूर वीएफएक्स का इस्तेमाल किया गया है। हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने एक्शन और विजुअल इफेक्ट्स से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया था। दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 600 करोड़ रुपये के बजट वाली यह फिल्म भारत की सबसे महंगी फिल्म मानी जाती है। फिल्म के निर्माताओं का दावा है कि यह फिल्म हर मामले में बाकी फिल्मों से आगे है। केवल समय ही बता सकता है। हालाँकि, राम चरण और जूनियर एनटीआर की आरआरआर उत्तरी अमेरिका में प्री-सेल के मामले में पहले ही पिछड़ गई है।

अक्षय कुमार की खेल खेल में अब स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी

अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म खेल खेल में सिनेमाघरों में अब निर्धारित तारीख से लगभग एक महीने पहले आ जाएगी और निर्माताओं ने फिल्म को 15 अगस्त को रिलीज करने का फैसला किया है। फिल्म निर्माता टी-सीरीज ने बुधवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की रिलीज की नई तारीख साझा की। यह 'कॉमेडी-ड्रामा' फिल्म पहले 6 सितंबर को सिनेमाघरों में आने वाली थी।

टी-सीरीज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, इस स्वतंत्रता दिवस पर हंसी, ड्रामा और ढेर सारी मस्ती की दुनिया में कदम रखिए! 15 अगस्त, 2024 को अपने कैलेंडर पर निशान लगा लीजिए। फिल्म खेल खेल में सिनेमाघरों में आएगी। इसके निर्देशक व लेखक मुदस्सर अजीज हैं। इस फिल्म में तापसी पन्नू, वाणी कपूर, फरदीन खान, एम्मी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल भी काम कर रहे हैं। खेल खेल में का मुकाबला 15 अगस्त को बॉक्स ऑफिस पर दो अन्य बड़ी फिल्मों जॉन अब्राहम की वेदा और अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल से होगा।

हिंसा पर राजनीति

आज वरिष्ठ नेताओं के साथ बलौदाबाजार जाएंगे पूर्व सीएम

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का वार बोले-साफ है,कांग्रेस का इससे कनेक्शन है

» बलौदाबाजार में हुई घटना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी का दौर जारी है...इस बीच कांग्रेस नेता आज (14 जून) को वहां जा रहे हैं...इधर, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर हमला बोला है... प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हिंसक वारदात को लेकर कांग्रेस सस्ती और ओछी राजनीति करके वातावरण बिगाड़ने में लगी है...

रायपुर,13 जून 2024(ए)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने बलौदाबाजार की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हिंसक वारदात को लेकर कांग्रेस पर सस्ती और ओछी राजनीति करके वातावरण बिगाड़ने का आरोप लगाया है। देव ने कहा कि इस मामले में हो रही जांच और गिरफ्तारियों पर कांग्रेस नेता एकाएक प्रलाप करके यह स्पष्ट कर रहे हैं कि इस अराजकता व हिंसा से कांग्रेस का कनेक्शन है। बलौदाबाजार की हिंसा शर्मनाक है और ऐसा साफ प्रतीत हो रहा है कि गर्हित इरादों के साथ कतिपय षड्यंत्रकारियों ने सतनामी समाज के लोगों को बदनाम करने के लिए इस कृत्य को अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए अंजाम दिया है। अब इस मामले की सूक्ष्मता से जाँच के बाद सारे तथ्य सामने आएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि कांग्रेस की यही राजनीतिक संस्कृति रही है कि वह सत्ता के लिए जातिवादी राजनीति का सहारा लेती है और सत्ता में आने के बाद सबसे ज्यादा उन्हीं जातियों को प्रताड़ित करने में लगी रहती है। कांग्रेस की पिछली प्रदेश सरकार का समूचा कार्यकाल इस बात की तस्दीक करने के लिए पर्याप्त है। कांग्रेस द्वारा भाजपा की प्रदेश सरकार पर सतनामी समाज को प्रताड़ित करने के लगाए जा रहे आरोप को पूरी तरह बेहूदा बताते हुए देव ने कहा कि प्रदेश और समूचा सतनामी समाज साक्षी है कि सतनामी समाज को सबसे ज्यादा प्रताड़ित और उपेक्षित रखने में कांग्रेस ने अपने शासनकाल में कोई कसर बाकी नहीं रखी थी। देव ने कहा कि सतनामी समाज सदैव अहिंसक और शांतिपूर्ण रहा है परंतु कतिपय अराजक व अवांछनीय तत्वों ने जैतखाम के मुद्दे को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली को कलंकित करने की इरादतन साजिश रची थी। प्रदेश सरकार ने तत्काल इस पूरी घटना पर संज्ञान लेकर न केवल त्वरित रूप से कानूनी कार्रवाई की, अपितु सतनामी समाज के प्रमुखों से विस्तृत चर्चा कर इस हिंसा को नियंत्रित करने के लिए कारगर कदम उठाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि भाजपा को सतनामी समाज का विरोधी बताने वाले कांग्रेसियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि कुतुबमीनार से भी ऊँचा जैतखाम छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में भाजपा की पूर्ववर्ती प्रदेश सरकार ने ही बनाया था। सतनामी समाज के साथ तो खुद कांग्रेस ने हमेशा भेदभाव कर सतनामी समाज के सदस्यों को उनके हक से वंचित रखने का काम किया है। अजा आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की भूपेश सरकार ने जिस तरह का गंदा राजनीतिक आचरण प्रस्तुत किया, क्या कांग्रेस नेताओं को कभी उसके लिए जरा भी शर्म महसूस हुई? देव ने कहा कि सैकड़ों अजा युवकों को राजधानी में पूर्ण नग्न होकर प्रदर्शन करने के लिए विवश करने वाली कांग्रेस सरकार ने जब पूरे छत्तीसगढ़ को शर्मसार कर दिया था, तब कांग्रेस के नेताओं ने सतनामी समाज के साथ हुए अन्याय पर मुँह में दही क्यों जमा रखा था? आज सतनामी समाज के सम्मान के नाम पर जुबानी जमाखर्च कर रहे कांग्रेसियों को तब पीड़ा नहीं हुई जब मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेश बघेल ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अजा युवकों को भौंकने वाला कहा था।

कांग्रेस के नेता जायेंगे बलौदाबाजार

बलौदाबाजार में जैतखाम के साथ हुई अपमानजनक घटना और कलेक्टर, एसपी कार्यालय में हुई आगजनी के संदर्भ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गण, कांग्रेस के विधायकगण, पदाधिकारीगण 14 जून को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन से 11 बजे बलौदाबाजार रवाना होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी बलौदाबाजार जायेंगे। कांग्रेस के नेतागण बलौदाबाजार में घटनास्थल का निरीक्षण के साथ वहां के नागरिकों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ चर्चा करेंगे।

बलौदाबाजार कलेक्टोरेट में फिर सामान्य दिनों की तरह शुरू हुआ काम-काज, क्षतिग्रस्त वाहनों की बीमा क्लेम के लिए जनसुविधा केन्द्र स्थापित

रायपुर. बलौदाबाजार कलेक्टोरेट में सामान्य दिनों की तरह काम-काज फिर से शुरू हो गया है. सभी विभागों के अधिकारी आम दिनों की तरह ही अपने-अपने विभागों का काम-काज कर रहे हैं। जिला प्रशासन की पहल पर बलौदाबाजार स्थित कलेक्टर परिसर स्थित संयुक्त कार्यालय में गत दिनों हुई आगजनी और तोड़फोड़ की घटना में क्षतिग्रस्त वाहनों के बीमा क्लेम दिलाने के लिए जनसुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। इस केन्द्र में बीमा क्लेम प्राप्त करने के लिए कोई भी आम नागरिक और शासकीय अधिकारी-कर्मचारी जिनका स्वयं का वाहन इस घटना में क्षतिग्रस्त हुआ है, इस जन सुविधा केन्द्र में आवेदन जमा कर सकते हैं।

चावल वितरण योजना को लेकर साय सरकार का बड़ा फैसला

» सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लेकर खाद्य मंत्री बघेल ने दिया यह निर्देश...

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल का अफसरों को आदेश, चावल वितरण में लापरवाही करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

रायपुर,13 जून 2024(ए)। गरीबों के हक का चावल उन तक पहुंचाना सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। वितरण में लापरवाही अथवा खराब चावल के वितरण की सूचना मिली तो, संबंधित खाद्य अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आज नवा रायपुर में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। इस अवसर पर खाद्य विभाग के सचिव बसवराजू एस., संचालक जितेन्द्र कुमार शुक्ला, विशेष सचिव के.डी. कुंजाम, अपर संचालक राजीव कुमार जायसवाल, जिला स्तरीय खाद्य अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी, विपणन अधिकारी और नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य मंत्री बघेल ने अधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि उचित मूल्य दुकान के माध्यम से लोगों तक प्रत्येक माह समय पर राशन वितरण कराना सुनिश्चित करें। किसी भी खाद्य अधिकारी के संबंध में शिकायत मिलती है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने सभी पंजीकृत श्रमिकों का शत्-प्रतिशत भी राशन कार्ड बनाने के लिए कहा है और खाद्य अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के दुकानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उचित मूल्य दुकानों में चावल, चना, शक्कर, नमक, केरोसिन भंडारण की स्थिति, हितग्राहियों को वितरण की स्थिति, स्टॉक पंजी सहित अन्य जानकारी का अवलोकन करने के लिए कहा है। खाद्य मंत्री ने कहा कि गरीबों का हक का चावल उन्हें ही मिलना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की कटौती एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। चावल वितरण के संबंध में शिकायत मिलने पर खाद्य अधिकारी एवं सहायक खाद्य अधिकारी के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। चावल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें। किसी भी स्थिति में खराब चावल का वितरण नहीं करेंगे।

खाद्य मंत्री ने बरसात से पूर्व पहुंचविहीन क्षेत्रों में राशन सामग्रियों को अग्रिम भंडारण करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के ऐसे स्थानों जहां वर्षा ऋतु के दौरान आवागमन मार्ग अवरूद्ध हो जाते है वहां खाद्यान्न शक्कर, नमक तथा केरोसिन उपभोक्ताओं को सुलभ उपलब्ध कराने की दृष्टि से वर्षा ऋतु के पूर्व अग्रिम भण्डारण किया जाता है।

खाद्य सचिव बसवराजू एस. ने खाद्य अधिकारियों को विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों का प्राथमिकता से राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने इसके लिए ग्राम पंचायत वार छूटे हुए सभी हितग्राहियों का चिन्हांकन कर परिवार के सदस्यों को भी राशन कार्ड में नाम दर्ज करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जिन राशनकार्ड हितग्राहियों ने अपना कार्ड नवीनीकरण नहीं किया है। वे शीघ्र नवीनीकरण का कार्य करवा लें और छुटे हुए हितग्राहियों का ई-केवायसी करवाने का निर्देश दिया। सार्वजनिक वितरण प्राणाली के अंतर्गत आधार प्रामाणीकरण आधारित राशन सामग्री के वितरण व्यवस्था के लिए राशन कार्डों में मुखिया एवं सदस्यों के आधार नबंर प्राप्त कर राशन कार्ड डेटाबेस में सीडिंग का कार्य किया जा रहा है। जिन धान खरीदों केन्द्रों से धान का उठाव नहीं हुआ है वहां से उन्होंने शीघ्र धान का उठान करवाने के निर्देश दिए है। राज्य में 77 लाख 11 हजार 537 राशन कार्डधारी हितग्राही हैं, उचित मूल्य दुकानों की संख्या 13 हजार 789, पहुंचविहीन दुकानों की संख्या 184 है।

रमन सिंह ने 22 जुलाई से मानसून सत्र बुलाई

रायपुर,13 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होगी। मिली जानकारी के अनुसार 22 जुलाई से 31 जुलाई तक मानसून सत्र चलेगा। बता दें कि यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने दी है। आगे रमन सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री साय के कार्यकाल के 6 माह अभूतपूर्व रहे हैं। ÷मोदी की गारंटी÷ संकल्प पत्र के अनुरूप कार्य करते हुए श्री साय जी की सरकार ने 6 महीने में ही ₹3100 में धान खरीदी की, 2 साल का बकाया बोनस ₹3700 करोड़ किसानों के खातों में पहुंचा, महतारी वंदन योजना से 70 लाख माताओं-बहनों को प्रति माह ₹1000 की सहायता राशि सुनिश्चित कर प्रदेश की सरकार ने अद्भुत कार्य किया है।

ए विस भवन के निर्माण प्रगति पर हुई चर्चा छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अब तक जहाँ पुराने विधानसभा भवन में सदन की कार्रवाईयाँ पूरी होती रही हैं तो वही अब आने वाले दिनों में सदन से जुड़ी कार्रवाई नए विधानसभा भवन में संपन्न हो सकेगी। संभव हैं कि मौजूदा सहाय सरकार के कार्यकाल में ही प्रदेश को यह उपलब्धि हासिल हो जाये। दरअसल आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की अगुवाई में नए विस भवन के निर्माण प्रगति पर चर्चा हुई हैं। उन्होंने इस कार्य में तेजी लाने और जल्द काम पूरा किये जाने के निर्देश भी दिए हैं।मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि प्रदेश का नया विधानसभा भवन 2025 तक बनकर तैयार हो जायेगा। नए विस् भवन का शुभारम्भ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों शुभारम्भ कराने की तैयारी के जा रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा नए विधानसभा का निर्माण कार्य 66 फीसदी पूर्ण हो चुका है। इस साल दिसम्बर तक स्ट्रक्चर का निर्माण पूरा होगा, वही इसके बाद इंटीरियर का काम शुरू होगा। नए विधानसभा भवन में सौर ऊर्जा की बिजली से रोशन होगा। उन्होंने कहा कि यह हिंदुस्तान के लिए उदाहरण बनेगा। नए विधानसभा भवन में ग्रीनरी पर भी विशेष फोकस किया जाएगा।

महंगाई भत्ते को लेकर आदेश जारी

रायपुर,13 जून 2024(ए)। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए राज्य सरकार ने पुनरीक्षित दरों पर महँगाई भत्ता भुगतान का आदेश जारी कर दिया है। आईएएस अधिकारियों को 1-1-24 से पुनरीक्षित दर से भुगतान किया जाएगा।सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय से जारी हुए आदेश में छह अलग-अलग बिंदुओं में दिशा निर्देश जारी किया गया है।. पुनरीक्षित दरों से महँगाई भत्ते का नियमन भारत सरकार वित् मंत्रालय से होगा। देय महँगाई भत्ते का भुगतान नक़द किया जाएगा।. इस भुगतान में विशेष वेतन और

व्यक्तिगत वेतन शामिल नहीं होगा।. इसके अलावा अधिक भुगतान करने पर ज़िम्मेदार अधिकारियों से वसूली की जाएगी।. इस संबंध में शासन के समस्त विभाग, समस्त विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर दिया गया है।

बृजमोहन अग्रवाल आज निकालेंगे विजय आभार रैली

रायपुर,13 जून 2024(ए)। रायपुर के नए सांसद बृजमोहन अग्रवाल कल अपनी जीत और मोदी सरकार के तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने की खुशी में रायपुर के कई इलाकों से आभार रैली निकालेंगे। आपको बता दें कि 1957 के बाद से पहली बार रिकार्ड मतों से जीत के लिएन आभार व्यक्त करने सांसद बने बृजमोहन अग्रवाल की आभार रैली 14 जून, शुक्रवार को निकलेगी। इसकी शुरुआत मां बंजारी मंदिर रावांभाटा से होगी और समापन जयस्तंभ चौक पर होगा। यह रैली शहर व ग्रामीण क्षेत्रों को पूरा करते हुए शाम 4 बजे से शुरु होगी।

सीएम हाऊस में समीक्षा बैठक में मंत्री नेताम बोले

खरीफ सीजन में किसानों को नहीं होगी कोई कमी,पर्याप्त है भंडारण

रायपुर,13 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय दिल्ली लौटते ही विभागीय समीक्षा में लग गए हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास कृषि विभाग और उद्यानिकी विभाग की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक से निकलते ही कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि, खरीफ सीजन में किसानों को किसी प्रकार की कमी नहीं होगी। किसानों को खाद बीज प्रामाणिक और गुणवत्ता पूर्ण वितरण के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि, खाद और बीज का पर्याप्त भण्डारण कर चुके हैं। कहीं कमी होगी तो आस पास के जिलों से पूर्ति की जाएगी। उद्यानिकी विभाग की जिन योजना पर काम बंद है तो उन्हें शुरू किया जाएगा। बैठक बहुत ही सकारात्मक रही। इससे अफसर का मनोबल बढ़ेगा और हम लोगों को भी काम करने में एक नई दिशा मिलेगी।

डॉ. रमन सिंह बोले- छत्तीसगढ़ में होगा तेजी से विकास

छत्तीसगढ़ में 22 जुलाई से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने वाला है और ये 31 जुलाई तक चलेगा। अफसर इसकी तैयारी में जुट गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि, विधानसभा सत्र को लेकर प्रक्रिया चल रही है। छत्तीसगढ़ सरकार के काम-काज को लेकर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि, दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार डबल इंजन मॉडल के साथ काम करेगी। तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने हैं। अब तेजी से विकास होगा, यह देखने को मिलेगा। छत्तीसगढ़ की प्रगति में तेजी आएगी।

सेंट्रल जीएसटी का पड़ा छापा

महासमुंद,13 जून 2024(ए)। महासमुंद से बड़ी खबर सामने आई है। यहां श्री बालाजी एजेंसी में जीएसटी टीम ने छापामार कार्रवाई की है. जानकारी के मुताबिक, दो इस कार्रवाई के लिए 2 गाड़ियों में सवार होकर जीएसटी की टीम बालाजी एजेंसी पहुंची थी। करीब 3 घंटे से जीएसटीकी टीम मौके पर कार्रवाई कर रही है।. शुरूआती जानकारी के मुताबिक, श्री बालाजी एजेंसी के संचालक कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल के भाई है। रायगढ़ में भी मारी रेड़ सेंट्रल जीएसटी की टीम ने प्रदेश के बड़े निर्माण ठेकेदार, भाजपा नेता और उद्योगपति सुनील रामदास अग्रवाल के ठिकानों पर छापेमारी की है। बुधवार दोपहर से अधिकारी चांदनी चौक स्थित दफ्तर और अन्य जगहों पर पहुंचे हैं। देश-प्रदेश के बड़े प्रोजेक्ट में ठेकेदार सुनील रामदास अग्रवाल अब सेंट्रल जीएसटी के लपेटे में आ गए हैं। कुछ समय पहले ही आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। बुधवार दोपहर को सेंट्रल जीएसटी की टीम चांदनी चौक स्थित दफ्तर में घुसी। रोड, बिल्डिंग निर्माण के बड़े कामों को लेने वाले सुनील अग्रवाल की फर्म पर छापेमारी की गई है। इनका रायपुर में स्पंज आयरन प्लांट भी है। कहा जा रहा है कि जीएसटी टीम टैक्स चोरी और आईटीसी को लेकर पूछताछ कर रही है। दस्तावेजों की पड़ताल के बाद ही कुछ सामने आएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)